मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 11 अप्रैल 2026

संवत 2083, वैशाख कृष्ण 9 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 206, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ भारतीयता में समाहित है वैश्विक कल्याण का मार्ग

जान्हवी ने शेयर किया दिल दहला देने वाला किस्सा ◀◀ 6

जंगली हाथी के हमले से एक व्यक्ति की मौत, मचा कोहराम

ग्रामीणों ने वन विभाग पर लगाया आरोप

संवाददाता

सरायकेला-खरसावांः जिले के कुकड़ू प्रखंड के सापारुम गांव में एक जंगली हाथी ने अचानक गांव में घुस कर एक व्यक्ति को मार डाला। गांव में लोग कुछ समझ पाते उससे पहले ही हाथी ने हमला कर दिया। इस दौरान गांव के रहने वाले राधा तंतुबाई (55) उसकी चपेट में आ गए।

आसपास के इलाकों में डर का माहौलः घटना इतनी अचानक हुई कि आसपास के लोग कुछ कर भी नहीं पाए। हादसे के बाद पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया। मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में चीख-पुकार मच गई। गांव के लोग भी सदमे में हैं। हर कोई इस दर्दनाक घटना से सहमा हुआ है। घटना के बाद सापारुम गांव और आसपास के इलाकों में डर का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में जंगली हाथियों का आना लगातार

बढ़ता जा रहा है। लोग खेत जाने से भी डर रहे हैं और खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

हाथियों के आतंक को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंःग्रामीणों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि हाथियों के बढ़ते खतरे को लेकर पहले से कोई ठोस इंतजाम नहीं किया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि हाथियों के आतंक को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। साथ ही निगरानी बढ़ाने और समय पर चेतावनी देने की व्यवस्था की जाए, ताकि आगे ऐसी घटनाएं न हों।

अधूरे फोरलेन ब्रिज से गिरकर बच्चे की मौत

पलामू : जिला मुख्यालय के सदर प्रखंड अंतर्गत चियांकी में एक दर्दनाक हादसे में 12 साल के बच्चे की जान चली गई। अधूरे बने फोरलेन ब्रिज से स्कूटी समेत गिरने के कारण यह घटना हुई, जिसे स्थानीय लोग लापरवाही का नतीजा बता रहे हैं।

बच्चा सीधे मुंह के बल गिरा थाः चियांकी में एक अधूरे फोरलेन ब्रिज से गिरकर 12 साल के बच्चे की मौत हो गई। बच्चा स्कूटी चला रहा था और अचानक संतुलन बिगड़ने से वह पुल से नीचे गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाम के समय अंधेरा हो चुका था। तभी एक तेज आवाज सुनाई दी। पहले लोगों को लगा कि ब्रिज की कोई लाइट गिरी है, लेकिन जब वे मौके पर पहुंचे तो देखा कि एक बच्चा स्कूटी समेत नीचे गिरा हुआ है। घटना के तुरंत बाद आसपास के लोग और एक स्कॉर्पियो सवार वहां पहुंचे। पुलिस को सूचना दी गई और बच्चे को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, गंभीर चोटों के कारण डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। लोगों का कहना है कि बच्चा सीधे मुंह के बल गिरा था,

जिससे उसकी हालत बेहद गंभीर हो गई थी। लापरवाही पर उठे सवालः इस हादसे के बाद तीन बच्चियां रोते हुए मौके पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि वे सभी पोखरहा खुर्द के रहने वाले हैं और ब्रिज पर बर्थडे सेलिब्रेशन का वीडियो (रील) बना रहे थे। उसी दौरान 12 साल का बच्चा स्कूटी लेकर ब्रिज पर चला गया और हादसे का शिकार हो गया। स्थानीय लोगों ने इस घटना को लापरवाही का परिणाम बताया है। उनका कहना है कि अधूरे पुल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं थे, जिसकी वजह से यह दर्दनाक हादसा हुआ।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में शिक्षक बन सकेंगी ट्रांसवुमेन, सुप्रीम कोर्ट ने दी आवेदन की इजाजत

नई दिल्लीः ट्रांसवुमेन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला उठाया है। सुप्रीम कोर्ट ने 31 वर्षीय जेन कौशिक की याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें दिल्ली सरकार के स्कूलों में 'ट्रांसजेंडर' श्रेणी के तहत शिक्षक पद के लिए आवेदन करने की विशेष अनुमति दे दी है।

जस्टिस जेबी परदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। बेंच ने दिल्ली सरकार, शिक्षा निदेशालय (डीओई), समाज कल्याण विभाग, दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसएसबी) और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया।

इसके साथ ही, कोर्ट ने उनकी उस बड़ी अपील पर भी विचार करने पर सहमति जताई है, जिसमें दिल्ली सरकार के तहत सरकारी नौकरियों में ट्रांसजेंडर लोगों के लिए अलग से वैकेंसी और एक पूरी भर्ती नीति बनाने की मांग की गई है।

ऑनलाइन हुई थी अनुमतिः एक अंतरिम आदेश पारित करते हुए, अदालत ने कौशिक को डीएसएसएसबी के ऑनलाइन आवेदन पंजीकरण प्रणाली (ओएआरएस) पोर्टल पर एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति के रूप में आवेदन करने की अनुमति दी, क्योंकि उनके वकील ने बताया कि यह प्लेटफॉर्म आवेदकों को पुरुष और महिला के दो लिंग विकल्पों तक ही सीमित रखता है। दिल्ली उच्च न्यायालय के एक एकल न्यायाधीश द्वारा पारित एक पूर्व आदेश का जिक्र करते हुए जिसमें कौशिक को ट्रांसजेंडर श्रेणी के तहत आवेदन करने की अनुमति दी गई थी। अदालत ने कहा हम वही राहत प्रदान करते हैं।

याचिका में क्या की गई मांग?

कौशिक की याचिका में सार्वजनिक रोजगार में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की मान्यता और भर्ती प्रक्रियाओं में उनके समावेशन के प्रावधानों की कमी के बारे में व्यापक चिंताएं उठाई गई हैं। उन्होंने शिक्षण पदों में ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों के लिए अलग रिक्तियों को अधिसूचित करने, एक समर्पित भर्ती नीति बनाने और वैधानिक आदेशों के अनुसार आयु और योग्यता में छूट देने के निर्देश देने की मांग की है। कौशिक की याचिका में ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 और 2020 में बनाए गए नियमों को लागू करने की भी मांग की गई है, जो रोजगार में गैर-भेदभाव को अनिवार्य बनाते हैं और संस्थानों को समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए बाध्य करते हैं।

बंगाल के बर्धमान में गरजे पीएम मोदी, बोले- बीजेपी जो कहती है वो करती है

पूर्वी बर्दवानः प्रधानमंत्री आज पश्चिम बंगाल में तीन रैलियों को संबोधित करने वाले हैं। पीएम मोदी बंगाल के पूर्वी बर्दवान के कटवा में अपनी रैली को संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने बड़ा बयान देते हुए कहा कि बीजेपी जो कहती वो करती है। अपनी बात को जारी रखते हुए पीएम ने कहा कि बंगाल में इस बार बड़ा खेला होगा राज्य को टीएमसी से छुटकारा मिलेगा।

वृंदावन नाव हादसाः 11 श्रद्धालुओं की मौत, 4 अब भी लापता

✔ यमुना में 250 गोताखोरकर रहे तलाशी कर रहे, लोगों को मरता छोड़कर भागा नाव मालिक गिरफ्तार

एजेंसी

मथुराः उत्तर प्रदेश में मथुरा के वृंदावन क्षेत्र में यमुना नदी में नाव पलटने से लापता चार यात्रियों की तलाश अभी जारी है। शुक्रवार दोपहर हुए हादसे में एक परिवार के सात सदस्यों समेत दस लोगों की मौत हो चुकी है। शनिवार को दूसरे दिन भी सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें लापता लोगों की तलाश में जुटी हुई हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि वृंदावन यमुना नदी हादसे में अब तक 11 लोगो की मृत्यु हो चुकी है, जबकि 22 लोगों का सफल रेस्क्यू किया जा चुका है। साथ ही लापता चार लोगों के लिए सर्च ऑपरेशन अभी जारी है।

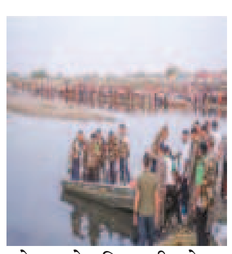

लुधियाना के जगराओं से आए एक ही परिवार के सात लोग जिनमें मां-बेटे, चाचा-चाची और बुआ-फूफा शामिल हैं मौत के मुंह मे समा गए। रेस्क्यू टीम में सेना, एनडीआरएफ और उनकी 8 बोट, साथ ही एसडीआरएफ उसकी पांच बोट और पीएसी समेत 250 लोगों का दल सर्च ऑपरेशन में दिन रात लगा हुआ है।

यूएस- ईरान सीजफायर : इस्लामाबाद समिट है मध्य-पूर्व में शांति की आखिरी उम्मीद

ईरान-अमेरिका के बीच निर्णायक वार्ता शुरू

एजेंसी

इस्लामाबाद : वैश्विक अर्थव्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला को संकट में डालने वाले मध्य-पूर्व के संघर्ष को समाप्त करने के लिए पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद अब कूटनीति का केंद्र बन गई है। शुक्रवार देर रात ईरानी प्रतिनिधिमंडल के पहुंचने के साथ ही एक ऐसी वार्ता की नींव रखी गई है, जिस पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हैं। यह प्रतिनिधिमंडल अमेरिका के साथ बातचीत करने आया है, जिसका मकसद मध्य-पूर्व में चल रहे उस संघर्ष को खत्म करना है, जिसने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और दुनिया की अर्थव्यवस्था को बाधित कर दिया है। ईरानी प्रतिनिधिमंडल के आगमन पर, सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर सहित पाकिस्तान के शीर्ष अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

इस प्रतिनिधिमंडल में विदेश मंत्री अब्बास अराकची, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के पूर्व कमांडर मोहम्मद बाघर जोलघाद्र, सेंट्रल बैंक के गवर्नर अब्दोलनासेर हेम्मती और अन्य सदस्य शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर से मुलाकात करेगा। इन सभी को राष्ट्रपति ने शांति समझौता कराने के लिए भेजा है।बातचीत से पहले, ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि बातचीत विफल होती है, तो नए हमले किए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी प्रण लिया है कि वे होर्मुज जलडमरूमध्य को ईरान के समर्थन के साथ या उसके बिना खोल देंगे। साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि उनके प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि इस्लामिक गणराज्य परमाणु हथियार बनाने में सफल न हो पाए।

वेंस ने ईरान को अमेरिका के साथ 'खिलवाड़' न करने की चेतावनी दी

वॉशिंगटन से 'एयर फोर्स टू' विमान में रवाना होने से पहले, वेंस ने ईरान को एक कड़ी चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि इस्लामिक गणराज्य को अमेरिका के साथ 'खिलवाड़' नहीं करना चाहिए। ज्यादा विस्तार में न जाते हुए, अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें ट्रंप से स्पष्ट निर्देश मिले हैं कि इस्लामाबाद में बातचीत किस तरह से आगे बढ़नी चाहिए।
वेंस ने पत्रकारों से कहा, यदि ईरानी सद्भावना के साथ बातचीत करने को तैयार हैं, तो हम निश्चित रूप से उनकी ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाने को तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा, लेकिन यदि वे हमारे साथ खिलवाड़ करने की कोशिश करेंगे, तो उन्हें पता चलेगा कि हमारी बातचीत करने वाली टीम इतनी नरम नहीं है।

ईरान का लेबनान में संघर्ष-विराम पर जोर

ईरान भी अमेरिका के साथ बातचीत को लेकर उतना ही आशंकित रहा है। उसने कहा है कि अमेरिकियों के साथ बातचीत करने पर उसे अब तक केवल टूटे हुए वादे ही मिले हैं। ईरान के सरकारी टीवी के अनुसार, गालिबफ ने कहा, हमारी नीयत अच्छी है, लेकिन हमें उन पर भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा, अमेरिकियों के साथ बातचीत करने का हमारा अनुभव हमेशा असफलता और टूटे हुए वादों से ही भरा रहा है। ईरान ने बातचीत के लिए कुछ शर्तें रखी हैं: लेबनान में युद्धविराम और उसकी संपत्ति को जब्ती से मुक्त करना। लेबनान में युद्धविराम एक विवाद का विषय रहा है, क्योंकि इजराइल ने मध्य पूर्व में अपनी सैन्य कार्रवाई रोकने से इनकार कर दिया है; हालांकि ट्रंप ने उससे हमले रोकने के लिए कहा है। इजराइल अगले हफ़्ते वॉशिंगटन में लेबनान के साथ युद्धविराम पर चर्चा कर सकता है, लेकिन उसने जोर देकर कहा है कि वह हिज्बुल्लाह के साथ युद्धविराम पर चर्चा नहीं करेगा।

न्यूज IN ब्रीफ

एसपी ने थाना,सीआरपीएफ कैंप व विद्यालय का किया निरीक्षण

चतरा : जिले के पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल ने शुक्रवार को हंटरगंज थाना, सीआरपीएफ कैंप और अनुसूचित प्राथमिक आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। सबसे पहले एसपी हंटरगंज थाना पहुंचे जहां उन्होंने निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना की विधि-व्यवस्था, लंबित कांडों की स्थिति, अपराध नियंत्रण उपायों और पुलिस कार्यशैली की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में एसपी ने सबसे पहले थाना परिसर का जायजा लिया और साफ-सफाई, फरियादियों के लिए पेयजल,अभिलेख संधारण एवं मालखाना की स्थिति की जांच की। उन्होंने थाना में दर्ज लंबित मामलों की फाइलों का अवलोकन करते हुए कांडों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। साथ ही वारंट, कुर्की-जब्ती और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी में तेजी लाने का निर्देश दिया। जिसके बाद वह अनुसूचित बालिका प्राथमिक विद्यालय पहुंचे जहां उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था के तहत विद्यालय परिसर की चारदीवारी, गेट व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, रात्रि सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा उपकरण और आपातकालीन संपर्क व्यवस्था की जांच की। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को विद्यालय परिसर में सुरक्षा महिला गार्ड और समय समय पर गश्त करने का निर्देश दिया। जिसके बाद एसपी सीआरपीएफ कैंप पहुंचे। वहां उन्होंने सीएफ कैंप का निरीक्षण किया। सुरक्षा व्यवस्था देखी। अफसरों को जरूरी निर्देश दिए। मौके पर हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार, सब इंस्पेक्टर पुरुषोत्तम अग्निहोत्री सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद थे।

बिजली की आंख मिचौनी से पत्थलगड़ा की जनता बेहाल

चतरा : पत्थलगड़ा प्रखंड क्षेत्र में बिजली की बदहाल व्यवस्था ने आमजन का जीना दूभर कर दिया है। हालात यह हैं कि बिजली आती है तो महज कुछ मिनटों में ही फिर गुल हो जाती है। दिनभर में यह सिलसिला दर्जनों बार दोहराया जा रहा है, जिससे लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है।ग्रामीणों का कहना है कि यह आंख-मिचौली अब हद पार कर चुकी है। लगातार बिजली के इस खेल से जहां एक ओर बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, वहीं दुकानदारों, छोटे व्यवसायियों और किसानों के कार्यों पर भी बुरा असर पड़ रहा है। मोबाइल चार्ज करना तक मुश्किल हो गया है, जिससे लोगों को संचार संबंधी दिक्कतों का भी सामना करना पड़ रहा है।लोगों ने साफ कहा कि यदि बिजली काटनी ही है, तो एक बार में एक-दो घंटे या तय समय के लिए काटी जाए, ताकि वे अपने जरूरी कामों की वैकल्पिक व्यवस्था कर सकें। बार-बार के इस अचानक कटौती से सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों और मरीजों को हो रही है।

स्थानीय ग्रामीणों द्वारा नावाडीह विद्युत स्टेशन से लगातार संपर्क कर जानकारी ली जाती है, लेकिन हर बार अलग-अलग कारण—कभी फॉल्ट, तो कभी तकनीकी खराबी—बताकर मामले को टाल दिया जाता है। इससे लोगों का आक्रोश और भी बढ़ता जा रहा है। हाल ही में दिनभर बिजली काटकर मरम्मत किए जाने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं होना विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।इस संबंध में चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह के प्रतिनिधि (विद्युत विभाग) मनीष सिंह ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति सीधे-सीधे विभागीय लापरवाही को दशार्ती है। जब हाल ही में मरम्मत कार्य किया गया था, तो बार-बार बिजली बाधित होने का कारण स्पष्ट किया जाना चाहिए।उन्होंने विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि वे इस गंभीर समस्या को तत्काल संज्ञान में लें और स्थायी समाधान सुनिश्चित करें। साथ ही, यदि बिजली आपूर्ति बाधित करनी ही हो, तो पूर्व सूचना जारी कर लगातार कटौती की जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर कब तक पत्थलगड़ा की जनता इस बिजली की आंख-मिचौली का शिकार होती रहेगी और कब विभाग इस समस्या का ठोस समाधान करेगा?

हार्टफुलनेस पर तीन दिवसीय सेमिनार का पहला दिन संपन्न

चतरा : चतरा कॉलेज छात्रा के बीएड विभाग में हार्टफुलनेस पर तीन दिवसीय सेमिनार प्रारंभ हुआ। पहले दिन ध्यान व तनाव मुक्त पर चर्चा हुई। विद्यार्थियों ने मन की शांति एकाग्रता तनाव मुक्त और भावनात्मक संतुलन करना सीखा। जिसमें मन को शांत रखकर पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन कैसे करें विषय पर व्याख्यान हुआ । इस कार्यक्रम में 50 से अधिक छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों ने भाग लिया इसमें मुख्य वक्ता सुनील कुमार सिंह ने कहा कि शांत मन ही सही फैसला लेता है रोज 15 मिनट का ध्यान छात्रों की क्षमता बढ़ाता है । आगामी सत्र के दूसरे व तीसरे दिन लीडरशिप और इनरपीस तथा तीसरे दिन ध्यान से कैरियर निर्माण विषय रहेंगे । पहले दिन के कार्यक्रम में छात्रों ने बताया कि ज्ञान के बाद काफी हल्का और फ्रेश महसूस हुआ कार्यक्रम के मुख्य संचालन करता अनुज जी और संतोष जी रहे तथा इस सेमिनार में शिक्षकगण नंदकिशोर सिंह ,ग्लोरिया ग्रेस होरो,शोभा कुजूर,अमित कुमार सिंह तथा डॉ मुमताज अंसारी उपस्थित रहे।

युवा कांग्रेस ने पैदल मार्च के बाद केंद्र सरकार का किया पुतला दहन

खूंटी: जिले में शुक्रवार को झारखंड युवा कांग्रेस द्वारा केंद्र एवं असम सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन किया गया। जिला अध्यक्ष आमिर हुसैन की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। यह आयोजन इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय आह्वान पर किया गया। कार्यक्रम के तहत युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भगत सिंह चौक से सुभाष चंद्र बोस चौक तक भव्य पैदल मार्च निकाला। मार्च के दौरान कार्यकर्ताओंने केंद्र सरकार एवं असम सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और लोकतंत्र, संविधान तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा की मांग उठाई।

यह विरोध प्रदर्शन मल्लिकाअर्जुन खड़गे के खिलाफ की गई कथित अपमानजनक टिप्पणी तथा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा को सच बोलने पर दबाने के प्रयास के विरोध में किया गया। युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह केवल किसी एक व्यक्ति का अपमान नहीं, बल्कि देश के उन करोड़ों वंचित, शोषित और कमजोर वर्गों का अपमान है, जिनकी आवाज कांग्रेस पार्टी लंबे समय से उठाती रही है।

मार्च के समापन के बाद सुभाष चंद्र बोस चौक पर असम के मुख्यमंत्री हेमंता विश्वशर्मा के विरोध में पुतला दहन किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने तानाशाही और दमनकारी नीतियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष आमिर हुसैन ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष का अपमान और विपक्ष की आवाज को दबाने की साजिश को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर से लेकर झारखंड के हर जिले और देश के हर कोने तक युवा कांग्रेस इस अन्याय के खिलाफ मजबूती से संघर्ष करेगी।

चोरी की बाइक बरामद, तीन अपराधी गिरफ्तार, नशे के बाद वारदात को दिया अंजाम

संवाददाता

खूंटी : थाना क्षेत्र में बाइक चोरी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। 09 अप्रैल 2026 को खूंटी थाना कांड संख्या 51/26, दिनांक 08/04/2026, धारा 329(3)/305(व) बीएनएस-2023 के तहत गिरफ्तार अभियुक्त नितिन नायक के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की मोटरसाइकिल समेत तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त नितिन नायक (पिता स्व शशि नायक, निवासी बड़ाईक टोली, खूंटी) ने पूछताछ में खुलासा किया कि 06 अप्रैल 2026 की रात उसके दोस्तों द्वारा धुर्वा के झोपड़ी मार्केट से एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी की गई थी, जिसे बाद में छिपाकर रखा गया था।

सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक, खूंटी के निर्देश पर एक संयुक्त छापामारी दल का गठन किया गया। टीम ने पतरा मैदान, खूंटी में छापेमारी कर चोरी में शामिल तीन अपराधियों को चोरी की बाइक के साथ धर दबोचा।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान :

सोनु राम (उम्र 23 वर्ष), निवासी कर्रा रोड, महतो टोली, खूँटी

बजरंग कुमार (उम्र 23 वर्ष), निवासी कर्रा रोड, हनुमान मंदिर के पास, खूंटी

-प्रिंस कुमार उर्फ चिन्टु (उम्र 19 वर्ष), निवासी मेकॉन कॉलोनी, डोरंडा

तीनों आरोपियों ने पुलिस के समक्ष अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

आरोपियों ने बताया कि घटना की रात वे नितिन नायक के साथ जगन्नाथपुर मंदिर के पास ब्राउन शुगर का सेवन करने गए थे। नशे के कारण देर रात हो जाने पर जब वे वापस लौट रहे थे, तभी झोपड़ी मार्केट, धुर्वा में एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल खड़ी देखी। आसपास कोई नहीं होने का फायदा उठाकर उन्होंने बाइक चोरी कर ली और उसे जगरनाथपुर बस्ती होते हुए खूंटी ले आए। इसके बाद वे बाइक का इस्तेमाल कर रहे थे।

पुलिस ने आरोपियों के पास से एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है।

इस कार्रवाई में निम्न पुलिस पदाधिकारी शामिल रहेः

-अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजकथाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह, पुअनि सीताराम दांगी,

सअनि सुरेन्द्र लोहरा, खूंटी थाना के सशस्त्र बल

आगे की कार्रवाईः पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और मामले की आगे की जांच जारी है। इस सफलता से क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता और सतर्कता का संदेश गया है।

गिद्धौर में दो बाइकों की टक्कर, स्वास्थ्य कर्मी सचिन की हालत नाजुक

संवाददाता

चतरा : जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र से एक हृदयविदारक सड़क दुर्घटना की खबर सामने आ रही है। इटखोरी-चौपारण मुख्य मार्ग पर स्थित महुआ चौक के समीप दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई सीधी भिड़ंत में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल युवक जिले के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक के सिर में गंभीर चोटें आई हैं और फिलहाल वह अस्पताल में अपनी जिंदगी की अंतिम लड़ाई लड़ रहा है।सड़कों पर अनियंत्रित रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। घटना गिद्धौर के पाड़े महुआ चौक स्थित पेट्रोल पंप के समीप की है, जहाँ शुक्रवार को दो तेज रफ्तार बाइकों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो भिड़ंत इतनी भयानक थी कि आवाज सुनकर आसपास के लोग सहम गए। इस हादसे में एक बाइक पर सवार युवक सड़क पर गिरकर बुरी तरह लहूलुहान हो गया। दुर्घटना में घायल युवक की पहचान सचिन कुमार के रूप में हुई है। सचिन मूल रूप से गिद्धौर के ही रहने वाले हैं और वर्तमान में चतरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में सीएचओ के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। स्वास्थ्य विभाग का एक जिम्मेदार हिस्सा होने के नाते वे क्षेत्र में काफी लोकप्रिय हैं। हादसे की खबर मिलते ही उनके सहकर्मियों और परिजनों में कोहराम मच गया है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने बिना समय गंवाए स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से घायल सचिन को उठाया और फौरन सदर अस्पताल चतरा भेजा। शुरूआती जांच में पाया गया कि सचिन के सिर में बहुत गहरी चोट आई है, जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हुआ है। अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद उपाधीक्षक डॉक्टर पंकज कुमार ने उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें तुरंत हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया।हजारीबाग ले जाए जाने के दौरान और अस्पताल में भर्ती होने तक सचिन की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। चिकित्सकों के अनुसार, अगले कुछ घंटे उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा मानकों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय पुलिस ने दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पूरा जिला आज सचिन कुमार के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहा है। यह घटना हमें आगाह करती है कि सड़कों पर थोड़ी सी लापरवाही किसी हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन सकती है।

थैलेसीमिया मरीजों के लिए रेड क्रॉस में लगाया गया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

संवाददाता

चतरा : जिला मुख्यालय स्थित रेड क्रॉस सोसाइटी भवन में शुक्रवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर विशेष रूप से थैलेसीमिया मरीजों के बोन मैरो ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन मां सेवा समिति ट्रस्ट, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, थैलेसीमिक्स इंडिया एवं डीकेएमएस. के संयुक्त तत्वावधान में, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम के सहयोग से किया गया।इस दौरान जिलेभर से करीब दो दर्जन थैलेसीमिया मरीज पहुंचे। उनके साथ सैकड़ों की संख्या में परिजन व स्थानीय गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। शिविर में कैंसर एवं विभिन्न रक्त संबंधी गंभीर बीमारियों की जांच की गई।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम–डॉ. परमिंदर पाल सिंह, डॉ. भारती शर्मा तथा थैलेसीमिक्स इंडिया से प्रदीप सिंह और भागवत भावेश–ने मरीजों की जांच करने के साथ-साथ उन्हें आवश्यक परामर्श भी दिया। उन्होंने कैंसर, रक्त रोग और बोन मैरो ट्रांसप्लांट से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।

शिविर में निःशुल्क एचएलए. टेस्ट (डीकेएमएस. द्वारा) भी किया गया, जो बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए अत्यंत आवश्यक माना जाता है। बड़ी संख्या में लोगों ने इस सुविधा का लाभ उठाया। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के शिविर का उद्देश्य गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर उचित उपचार उपलब्ध कराना है। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने की मांग की। कार्यक्रम के अंत में सभी मरीजों के साथ साथ आगंतुकों को भोजन कराया गया। वहीं जांच शिविर प्रारंभ होने से पूर्व रेड क्रॉस परिवार के द्वारा उपस्थित चिकित्सकों को गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रेड क्रॉस के सचिव धर्मेंद्र पाठक, कोषाध्यक्ष गोपाल कुमार वर्मा, एमपीडब्ल्यू रत्नेश कुमार, निर्भय कुमार, लैब टेक्नीशियन विजय कुमार, देवानंद कुमार, सुमन कुमारी, जीएनएम मधुलता कुमारी, सुप्रिया कुमारी तथा एएनएम जयंती भेलेट तिर्की सहित अन्य कर्मियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

डिफेंस नेटवर्क में एबीडी का विस्तार, कैंटीन स्टोर्स विभाग में नए ब्रांड जोड़े

रांची : एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड (एबीडी) ने डिफेंस चैनल में अपनी पहुंच बढ़ाते हुए कैंटीन स्टोर्स विभाग में अपने प्रमुख ब्रांड शामिल किए हैं। कंपनी ने आईकोनिक, जॉली रोजर और काइरन जैसे उत्पादों को जोड़कर अपनी पेशकश को और मजबूत किया है, जिससे उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प मिल सकेंगे। कंपनी के अनुसार अब उसके उत्पाद देशभर के 34 डिपो के माध्यम से एक्स-सर्विसमैन कैंटीन, यूनिट रन कैंटीन और डिफेंस से जुड़े संस्थानों तक पहुंच रहे हैं, जिससे उपलब्धता में और सुधार हुआ है। एबीडी का कहना है कि इस कदम से रक्षा क्षेत्र से जुड़े उपभोक्ताओं के बीच उसकी पकड़ और मजबूत होगी, वहीं कंपनी अब 30 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अपनी मौजूदगी बढ़ा चुकी है।

इटखोरी पुलिस को बड़ी सफलता

चोर गिरोह के तीन शातिर गिरफ्तार

संवाददाता

चतराः इटखोरी पुलिस ने एंटी क्राइम चेकिंग के दौरान अंतरराज्यीय बाइक और मोबाइल चोर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की अपाचे मोटरसाइकिल और लूटे गए मोबाइल बरामद हुए हैं।करनी रोड में पेट्रोल पंप के पास चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक बाइक पर सवार प्रशांत, सूरज और बहादुर को रोका। कागजात न होने पर तलाशी ली गई, जिसमें चोरी के दो मोबाइल और अपाचे बाइक बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे राहगीरों से छिनतई और वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। गिरोह का मुख्य सदस्य प्रशांत यादव पहले भी हजारीबाग से जेल जा चुका है। पुलिस ने कांड संख्या 41/26 दर्ज कर तीनों को जेल भेज दिया है।

पुरुषोत्तम अग्निहोत्री बने गिद्धौर थाना प्रभारी

चतरः जिले के हंटरगंज थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक पुरुषोत्तम अग्निहोत्री को गिद्धौर थाना प्रभारी बनाया गया है।उन्हें यह जिम्मेवारी एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने सौंपी है।विदित हो कि पूर्व थाना प्रभारी शिवा यादव सहित दो जवानों के निलंबन के बाद पुरुषोत्तम अग्निहोत्री को नए थाना प्रभारी बनाया गया है।

मुर्गी फार्म में चल रहे अवैध शराब निर्माण और भंडारण का खुलासा

586 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब,500 एमएल केमिकल से भरी बोतल शराब और सील करने की मशीन समेत अन्य सामग्री जब्त

संवाददाता

चतरा : जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर देर रात 10:30 बजे एक बड़ी कार्रवाई में अवैध रूप से अंग्रेजी शराब बनाने एवं कारोबार करने के मामले का भंडाफोड़ किया। इस दौरान पुलिस ने मुर्गी फार्म में चल रहे अवैध शराब निर्माण और भंडारण का खुलासा करते हुए भारी मात्रा में शराब, स्पिरिट, खाली बोतलें, ढक्कन, स्टिकर सहित अन्य उपकरण बरामद किए। चतरा एसपी कार्यालय द्वारा शुक्रवार की रात जारी विज्ञप्ति के अनुसार पुलिस को जानकारी मिली थी कि इटखोरी थाना क्षेत्र के नगवां गांव स्थित जंगल इलाके में विनोद दांगी अपने साथियों के साथ मुर्गी फार्म में अवैध रूप से अंग्रेजी शराब बनाने और बिक्री का कार्य कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न कंपनियों की बड़ी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की। इनमें रॉयल स्टेज कंपनी की 375 एमएल की 16 पेटी (कुल 384 बोतल), 375 एमएल की एक पेटी (20 बोतल), 180 एमएल की एक पेटी (48 बोतल), सिग्नेचर कंपनी की 375 एमएल की एक पेटी (20 बोतल) तथा रॉयल चैलेंजर कंपनी की 375 एमएल की चार पेटी (96 बोतल) बरामद किया।इसके अलावा पुलिस ने लगभग 25 लीटर स्पिरिट से भरा जार, नल लगा खाली ड्रम, तीन बोरे में करीब 70 खाली शीशे की बोतलें, विभिन्न कंपनियों के सैकड़ों ढक्कन, स्टिकर, एमआरपी स्टिकर, लगभग 500 एमएल केमिकल से भरी बोतल तथा शराब सील करने की मशीन भी जब्त की है। बरामद सामग्री से अवैध शराब निर्माण का पूरा सेटअप संचालित किया जा रहा था। इस मामले में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इस प्रकार के अवैध कारोबार में शामिल लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अब जाम और हादसों से मिलेगी राहत

केंद्र सरकार ने रांची में की 303 करोड़ की सड़क परियोजनाओं की शुरूआत

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची में सड़क विकास को लेकर एक बड़ी पहल की गई है। केंद्र सरकार ने यहां यातायात सुधार और दुर्घटनाओं को कम करने के लिए दो अहम राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की शुरूआत की है।

संजय सेठ ने रिमोट दबाकर इन योजनाओं की आधारशिला रखीः बीते शुक्रवार को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 303 करोड़ रुपये की दो बड़ी सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया। रांची में आयोजित कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भी इसमें हिस्सा लिया और रिमोट दबाकर इन योजनाओं की आधारशिला रखी। इन परियोजनाओं के तहत रांचीझजमशेदपुर रोड (एनएच-33) पर रामपुर चौक के पास एक अंडरग्राउंड टनल बनाई जाएगी। वहीं रांचीझहजारीबाग रोड पर इरबा के विकास चौक में एक आधुनिक ओवरब्रिज बनाया जाएगा।

ट्रैफिक जाम होगा कम , सड़क हादसों में भी आयेगी कमी आएगी:

सरकार का कहना है कि ये दोनों परियोजनाएं करीब दो साल में पूरी हो जाएंगी। इनके बनने से रांची और आसपास के इलाकों में ट्रैफिक जाम कम होगा और सड़क हादसों में भी कमी आएगी। संजय सेठ ने बताया कि रामपुर चौक और विकास चौक पर अक्सर जाम और दुर्घटनाएं होती थीं। इस समस्या की जानकारी देने के सिर्फ 15 दिन के अंदर ही परियोजना को मंजूरी मिल गई। उन्होंने यह भी बताया कि झारखंड में इस समय करीब 45 हजार करोड़ रुपये की लागत से 1500 किलोमीटर से ज्यादा सड़कों पर काम चल रहा है।

बेहतर सड़क सुविधा से झारखंड का विकास होगाः इसके अलावा चरही और चुटुपालू घाटी में सड़क चौड़ीकरण का काम जल्द शुरू होगा। रांची- महुलिया और कोडरमा- मेघातरी सड़क परियोजनाएं भी जारी हैं। आने वाले समय में झारखंड को 17 हजार करोड़ रुपये की नई सड़क परियोजनाएं मिलेंगी, जिनमें 450 किलोमीटर सड़क निर्माण शामिल होगा। वाराणसी- कोलकाता एक्सप्रेसवे का हिस्सा भी इसमें जोड़ा जाएगा। रांची में 6000 करोड़ रुपये की लागत से 195 किलोमीटर लंबी आउटर रिंग रोड बनाने की भी योजना है, जिसकी तैयारी पूरी हो चुकी है।

कुछ प्रमुख परियोजनाएं इस प्रकार हैं:

- ✔ गोला –ओरमांझी सड़क लगभग 90 प्रतिशत पूरी हो चुकी है
- ✔ ओरमांझी फ्लाईओवर को मंजूरी मिल गई है
- ✔ घोरालिंग, फुलदुंगरी और बहरागोड़ा में अंडरपास बनाए जा रहे हैं
- ✔ चिल्गु नदी पर पुल 2027 तक पूरा होगा
- ✔ इटकी और चांडिल में रेल ओवरब्रिज बन रहे हैं

कार्यक्रम में टोल प्लाजा से जुड़ी शिकायतें भी सामने आईं। इस पर संजय सेठ ने अधिकारियों को नियमों का पालन करने और गलत तरीके से वसूली होने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने कहा कि बेहतर सड़क सुविधा से झारखंड का विकास होगा और लोगों को आने-जाने में बड़ी राहत मिलेगी।

झारखंड सरकार के कर्मियों को अब तक नहीं मिला मार्च महीने का वेतन, परेशानी

विभागीय सचिवों के असम सहित अन्य राज्यों के चुनाव में जाना बड़ी वजह

रांची : झारखंड सरकार के लाखों कर्मी इन दिनों परेशान हैं। इनकी परेशानी की बड़ी वजह वेतन नहीं मिलना है। नये वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरूआत में ही वेतन मिलने में हो रही देरी से झारखंड सरकार के कर्मचारी बेहद परेशानी में हैं। दरअसल, मार्च महीने का वेतन अब तक नहीं मिलने के पीछे की बड़ी वजह असम सहित पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव में झारखंड के विभिन्न विभागों के आला अधिकारी की व्यस्तता के कारण आवंटन नहीं मिलना है। जानकारी के मुताबिक, सचिव स्तर के पदाधिकारी के चुनाव ड्यूटी से वापस लौटने के बाद आवंटन मिलने की संभावना है। जाहिर तौर पर इन्हें कुछ दिन और प्रतिक्षा करनी होगी। इसके अलावे दूसरी वजह यह है कि नये वित्तीय वर्ष में विभागों को वित्त विभाग द्वारा अब तक आवंटन नहीं मिलना है। हालांकि, राज्य सरकार के कुछ विभाग खासकर वित्त विभाग, कार्मिक, लोकभवन सचिवालय जैसे सरकारी कार्यालयों के कर्मचारियों को मार्च महीने का वेतन मिल गया है। अविलंब वेतन का हो भुगतान–कर्मचारी महासंघः वेतन भुगतान में हो रही देरी पर सरकारी गलियारों में तरह-तरह की चर्चा हो रही है। इन सबके बीच वेतन को लेकर कर्मचारियों की परेशानी बढ़ी हुई है। इधर, वेतन मिलने में हो रही देरी पर झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ ने एतराज जताते हुए सरकार से अविलंब वेतन भुगतान की मांग की है।

लब्बैक अल्लाहुम्मा लब्बैक की सदाओं के बीच झारखंड के आजमीन-ए-हज के लिए प्रशिक्षण कैंप आयोजित

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची(गुलाम शाहिद) : लब्बैक अल्लाहुम्मा लब्बैक की रूहानी सदाओं के साथ झारखंड से वर्ष 2026 में हज पर जाने वाले आजमीन-ए-हज के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप मरहबा ह्यूमन सोसाइटी की ओर से कर्बला चौक स्थित हव्वारी मस्जिद के पास सफायर हाइट्स में आयोजित हुआ।

कैंप में झारखंड के मशहूर हज ट्रेनर हाजी कैसर आलम ने हज यात्रा से जुड़ी तमाम अहम जानकारी विस्तार से दी। उन्होंने उमराह से लेकर हज के पांच दिनों के दौरान किए जाने वाले सभी अरकान (धार्मिक कर्तव्यों) को क्रमबद्ध तरीके से समझाया।

प्रशिक्षण में एहराम बांधने, तवाफ, सई (सफा-मरवा), मीना, अराफात और अन्य जरूरी अरकान के साथ-साथ महिलाओं द्वारा अदा किए जाने वाले तरीकों की भी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम की शुरूआत शहर काजी हाफिज कलाम साहब की तिलावत-ए-कुरआन पाक से हुई, जिससे पूरे माहौल में रूहानियत का रंग भर गया।

इस प्रशिक्षण कैंप में रांची, खूंटी, गुमला सहित आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में आजमीन-ए-हज ने हिस्सा लिया और हज के नियमों व प्रक्रियाओं को बारीकी से समझा। मौके पर समाजसेवी हाजी हलीमउद्दीन, अकील उर रहमान, नफीसुल आबिदीन, हज कमेटी के पूर्व प्रवक्ता खुर्शीद हसन रूमी, मरहबा सोसाइटी के हाजी शाहिद परवेज, नैयर सहाबी, शमशाद अनवर (गुड्डू जी), फिरोज आलम, तारिक सगीर, आलम खान, हाजी असलम परवेज, जियाउद्दीन साबरी, अफशरुल आबिदीन, जहांगीर आलम, मो। शमीम, जफर इकबाल, मो। फारूक, मो। जमील सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कैंप का उद्देश्य हज पर जाने वाले यात्रियों को सही मार्गदर्शन देना और उन्हें धार्मिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक बनाना रहा, ताकि वे अपनी यात्रा को सही तरीके से और पूरी तैयारी के साथ अंजाम दे सकें।

हेमन्त सरकार का आंदोलनकारियों को तोहफा, 4.88 करोड़ जारी

जेएमएम नेता जुनैद अनवर ने किया स्वागत

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः झारखंड राज्य आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों के लिए राज्य सरकार ने बड़ी राहत दी है। हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार ने 4.88 करोड़ रुपये की राशि जारी करने का फैसला सराहनीय है।

सरकार के इस निर्णय को आंदोलनकारियों के सम्मान और उनके योगदान की सराहना के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय से आर्थिक सहायता और सुविधाओं की मांग कर रहे आंदोलनकारियों के लिए यह कदम एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस राशि का उपयोग राज्य आंदोलन में शामिल रहे लोगों और उनके आश्रितों को आर्थिक सहयोग प्रदान करने के लिए किया जाएगा। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, बल्कि सरकार और आंदोलनकारियों के बीच भरोसा भी मजबूत होगा। इधर, जेएमएम नेता जुनैद अनवर ने सरकार के इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह कदम आंदोलनकारियों के सम्मान और उनके त्याग की सच्ची कद्र है। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार लगातार जनहित में काम कर रही है और आंदोलनकारियों के हितों का ख्याल रख रही है।

राज्य आंदोलन के दौरान कई लोगों ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा संघर्ष में बिताया था। ऐसे में सरकार का यह कदम उनके त्याग और बलिदान को सम्मान देने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी आंदोलनकारियों के हित में इसी तरह के निर्णय लिए जाते रहेंगे।

राज्यपाल ने लौटाई सूचना आयुक्तों की नियुक्ति वाली फाइल आरटीआई कानून और कोर्ट के फैसलों का दिया हवाला

संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राज्य में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया पर संवैधानिक और कानूनी सवाल उठाते हुए संबंधित संचिका (फाइल) राज्य सरकार को वापस कर दी है। राज्यपाल ने विशेष रूप से उन नामों पर आपत्ति जताई है जो सक्रिय राजनीतिक दलों से जुड़े हुए हैं। राजभवन ने मुख्य सचिव को फाइल भेजते हुए इन नामों पर स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया है। यह फैसला मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय चयन समिति की सिफारिशों के खिलाफ एक बड़ा कदम माना जा रहा है। राजनीतिक चेहरों की सिफारिश पर फंसा पेंचः मुख्यमंत्री चयन समिति ने 25 मार्च को वरिष्ठ पत्रकार अनुज कुमार सिन्हा के साथ तनुज खत्री (जेएमएम नेता), शिवपूजन पाठक (भाजपा मीडिया प्रभारी) और अमूल्य नीरज खलखो (कांग्रेस महासचिव) के नामों की अनुशंसा राजभवन को भेजी थी। राजभवन को प्राप्त शिकायतों और समीक्षा में यह पाया गया कि इन नामों का सीधा संबंध राजनीतिक दलों से है, जो आरटीआई अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत है।

नियमों की अनदेखी और शिकायत का असरः आरटीआई कार्यकर्ता सुनील कुमार महतो ने राज्यपाल को लिखित शिकायत भेजकर आगाह किया था कि आरटीआई एक्ट 2005 के अध्याय चार (पारा छह) के अनुसार, राज्य सूचना आयुक्त किसी भी राजनीतिक दल से संबद्ध नहीं होना चाहिए। वह किसी लाभ के पद पर या संसद/विधानमंडल का सदस्य भी नहीं हो सकता। शिकायत में सुप्रीम कोर्ट के अंजलि भारद्वाज बनाम भारत सरकार मामले का भी हवाला दिया गया, जिसमें नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता और पात्रता को सार्वजनिक करने का निर्देश है।

मुख्यमंत्री के साथ चर्चा और हाईकोर्ट का रुखः फाइल लौटाने से पहले राज्यपाल ने विशेषज्ञों से विधिक राय ली और शुक्रवार को मुख्यमंत्री के साथ इस गंभीर विषय पर विचार-विमर्श भी किया। गौरतलब है कि यह मामला झारखंड हाईकोर्ट में भी लंबित है। महाधिवक्ता ने 1 अप्रैल को कोर्ट को चयन प्रक्रिया की जानकारी दी थी, जिस पर अगली सुनवाई 13 अप्रैल 2026 को होनी है। राजभवन के इस कदम से सरकार की मुश्किल अब कोर्ट में भी बढ़ सकती है।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा।
(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

लापता पुरुष बिन्दरू लोहरा, उम्र–करीब 400 वर्ष, पे0–एतवा लोहरा, सा0–टापुडेगा पण्डरीपानी, थाना–टी0टॉगर, जिला–सिमडेगा, राज्य–झारखण्ड, दिनांक–05.04.2026 को समय करीब 14:00 बजे मुम्बई से अपने घर आने के लिए बॉम्बे हावड़ा ट्रेन से निकले थे। दिनांक–06.04.2026 को समय करीब 17:00 बजे उनके मो0 नं0–8956185228 पर सम्पर्क किया तो उन्होंने बताया कि वे किसी अनजान जगह पर उतर गये है, जहां पर एक नदी है जिसमें वह नहा रहा है एवं कुछ बच्चे उनको मारने के लिए दौड़ा रहे हैं, जिसके बाद से उसका फोन नहीं लग रहा है। बिन्दरू लोहरा अबतक अपने घर नहीं पहुंचा है। लापता पुरूश की बरामदगी अभी तक नहीं हो पायी है, जिसकी विवरणी निम्नवत् है:–

हुलिया की विवरणी :–
लिंग :– पुरूष।
उम्र :– 40 वर्ष।
रंग :– गोरा।
उँचाई :– 05 फीट 04 ईंच।
भाषा :– सादरी एवं हिन्दी।
पहनावा :– काला टी0शर्ट एवं फटा हुआ जिन्स।

अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त लापता पुरूश के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाश नं0 पर अविलंब सूचित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431116444
पुलिस उपाधीक्षक, (मु0) सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431706227
थाना प्रभारी, टी0टॉगर – मोबाइल नं0–9431706232
पुलिस नियंत्रण कक्ष, सिमडेगा। – मोबाइल नं0–9262998531
मानव तस्करी संबंधी टोल फ्री नं0 – मोबाइल नं0–1800–3456–256

PR 377176 Simdega (26-27)D

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा।

नेतरहाट आवासीय विद्यालय में अब छात्राओं को मिलेगा एडमिशन

जैक लेगा परीक्षा, नई नियमावली लागू

संवाददाता

रांचीः राज्य के सबसे प्रतिष्ठित सरकारी विद्यालय लातेहार स्थित नेतरहाट आवासीय विद्यालय में अब छात्राओं का भी नामांकन होगा। छात्राओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित रहेंगी। साथ ही विद्यालय में कक्षा छह में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा अब झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) आयोजित करेगा।

राज्य सरकार ने इस आवासीय विद्यालय की पुरानी गरिमा को फिर से बहाल करने के लिए दो नई नियमावलियां गठित की हैं, जिनमें ये प्रविधान किए गए हैं। कैबिनेट की स्वीकृति के बाद दोनों नियमावलियां अधिसूचित कर दी गईं।

जैक द्वारा आयोजित की जानेवाली प्रवेश परीक्षा के प्रारुप तथा सिलेबस तैयार करने की जिम्मेदारी माध्यमिक शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता वाली कमेटी को दी गई है।

विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा विद्यालय प्रबंधन द्वारा आयोजित की जा चुकी है तथा उसका परिणाम भी जारी कर दिया गया है। ऐसे में नई नियमावली के तहत जैक द्वारा प्रवेश परीक्षा 2026-27 सत्र से आयोजित की जा सकती है।

नई नियमावली के अनुसार, प्रवेश परीक्षा प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा के रूप में आयोजित की जाएगी तथा दोनों में उत्तीर्णता के आधार पर आरक्षण कोटिवार चयन सूची तैयार होगी। इसमें 33 प्रतिशत स्थान बालिकाओं के लिए कोटिवार क्षैतिज रूप से आरक्षित होंगी।

प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा में सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ होंगे। इसके लिए आरक्षण कोटिवार न्यूनतम उत्तीर्णांक एवं परीक्षा का पाठ्यक्रम तथा विषयों के चयन पर माध्यमिक शिक्षा की अध्यक्षता वाली कमेटी निर्णय लेगी।

नई नियमावली में अगले तीन वर्ष में सीटों की संख्या दोगुनी तथा पांच वर्षों में तिगुनी करने का भी प्रविधान किया गया है। इस तरह, 47 वर्ष बाद विद्यालय में सीटें बढ़ेंगी। इससे पहले वर्ष 1982 में विद्यालय में कक्षा छह के लिए 100 सीटें निर्धारित की गई थीं।

पुरानी दोनों नियमावलियां निरस्त

राज्य सरकार ने दो नई नियमावलियां नेतरहाट आवासीय विद्यालय के प्रबंधन एवं संचालन नियामवली, 2026 तथा नेतरहाट आवासीय विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों की नियुक्ति एवं सेवाशर्त नियमावली, 2026 गठित की है।

इसके साथ ही पूर्व में इनकी जगह लागू नियमावलियां क्रमशः नेतरहाट विद्यालय समिति नियमावली, 2010 तथा शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों की नियुक्ति एवं सेवाशर्त नियमावली, 2011 को निरस्त कर दिया है।

अब चार निकायों के माध्यम से होगा विद्यालय का संचालन

अब विद्यालय का संचालन चार कमेटियों के माध्यम से होगा। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एपेक्स बाडी, शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में सामान्य निकाय, विद्यालय के एक पूर्व छात्र की अध्यक्षता में कार्यकारिणी समिति तथा प्राचार्य की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंध समिति का गठन किया जाएगा।

सभी के कार्य एवं दायित्व तय कर दिए गए हैं। वर्तमान में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग मुख्यमंत्री के अधीन ही है, इसलिए एपेक्स बाडी तथा सामान्य निकाय दोनों के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे।

कार्यकारिणी समिति के सभापति के लिए मांगे जाएंगे ऑनलाइन आवेदन

कार्यकारिणी समिति के सभापति व सदस्यों का मनोनयन सामान्य निकाय द्वारा किया जाएगा। सभापति पद के लिए इसके लिए विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र होने के साथ-साथ न्यूनतम 10 वर्षों का प्रशासनिक/शैक्षणिक अनुभव अनिवार्य होगा।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची

अति अल्पकालिन निविदा सूचना –88 / 2025–26

1) विभाग का नाम :पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, राँची।
2) विज्ञापन दाता का नाम :कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व राँची।
3) परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय :17.4.2026 अपराह्न 5 बजे तक।
4) निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :18.4.2026 अपराह्न 3:30 बजे तक।
5) निविदा खोलने की तिथि एवं समय :18.4.2026 अपराह्न 4 बजे।
6) परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान :1) कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय,पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता, राँची अंचल, राँची।
7) निविदा प्राप्ति का स्थान :1) कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची।
8)कार्य विवरणी :

क्र0	कार्य का नाम	प्रा0 राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु0 में)	परिमाण वि0 का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Supplying, fitting and fixing of chlorinator (capacity 2kg/hour), with injector, rotameter, booster pump, cylinder trolly, chlorine gas cylinder and its allied works such as pipe line at Project bhawan campus at WTP under D.W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi.	1516128.00	30400.00	5000.00	30 Days
2	Supplying, fitting and fixing of chlorinator (capacity 2kg/hour), with injector, rotameter, booster pump, cylinder trolly, chlorine gas cylinder and its allied works such as pipe line at New vidhan sabha campus at WTP under D.W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi.	1516128.00	30400.00	5000.00	30 Days
3	Seepage repair and Renovation, improvement of water supply and sewerage with changing of all sanitary fittings of General bathroom (Gents, Ladies & Disabled) Near Room no. 148 (FIRST FLOOR WEST) in the main building of New Jharkhand vidhansabha, Kute under D.W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	992377.00	19900.00	1250.00	15 Days
4	Seepage repair and Renovation, improvement of water supply and sewerage with changing of all sanitary fittings of General bathroom (Gents, Ladies & Disabled) Near Room no. 115 (FIRST FLOOR EAST) in the main building of New Jharkhand vidhansabha, Kute under D.W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	992377.00	19900.00	1250.00	15 Days

आवश्यक शर्तों के लिए देखें www.jharkhand.gov.in
Email ID- eedwsd.ranchieast@gmail.com
PR 377188 (Drinking Water and Sanitation)26-27*D

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्व0 प्र0 राँची पूर्व राँची

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

सबरीमाला : संविधान और स्त्री-शक्ति का भारतीय विमर्श

भारतीय समाज में धर्म, परंपरा और संवैधानिक मूल्यों का संबंध अत्यंत गहन और बहुआयामी है। सबरीमाला मामला इसी जटिल संबंध का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है, जहाँ एक ओर धार्मिक आस्था और परंपरा का प्रश्न है, तो दूसरी ओर समानता, गरिमा और अधिकारों की संवैधानिक व्याख्या सामने आ खड़ी हुई। यह विवाद भले ही महिलाओं के मंदिर प्रवेश को लेकर शुरू हुआ है किंतु यह अपने आप में कई व्यापक अर्थ रखता है, जिसमें भारतीय स्त्री-विमर्श, सांस्कृतिक चेतना और न्यायिक दृष्टिकोण के बीच संवाद सभी कुछ समाहित है। इस संबंध में उच्चतम न्यायालय द्वारा जो निर्णय सुनाया गया, उस निर्णय के बीच सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए हैं, उनका कहना है कि क्या मासिक धर्म के आधार पर महिलाओं के प्रवेश पर रोक ह्लअस्पृश्यताह्व की श्रेणी में आती है? न्यायमूर्ति नागरत्ना कहती है, ह्लइस मामले में ह्यअनुच्छेद 17ह्ल यानी छुआछूत के खिलाफ अधिकार पर दलील किस तरह पेश की जाए, यह मेरी समझ से बाहर है। एक महिला होने के नाते मैं यह कहना चाहूंगी कि ऐसा नहीं हो सकता कि हर महीने तीन दिन तक तो महिला को ह्यअछूतह्ल माना जाए और चौथे दिन अचानक कोई ह्यअछूतपनह्ल न रह जाए। न्यायमूर्ति नागरत्ना का यह कथन है कि ह्लभेदभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकताह्व वास्तव में इस पूरे विमर्श का यही केंद्रीय बिंदु है। संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 17 समानता, भेदभाव-निषेध और अस्पृश्यता उन्मूलन की बात करते हैं, जबकि अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करता है। इस प्रकार, सबरीमाला प्रकरण इन संवैधानिक मूल्यों के बीच संतुलन का प्रश्न बन जाता है। इसी तरह से अन्य कुछ प्रश्न उठाने का कार्य यहां न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना दिखाई देती हैं, तब केंद्र सरकार की ओर से तुषार मेहता ने यह तर्क दिया कि सबरीमाला की परंपरा को ह्लअस्पृश्यताह्व कहना ऐतिहासिक रूप से उचित नहीं है, क्योंकि अस्पृश्यता मूलतः जाति-आधारित सामाजिक कुरीति रही है। उन्होंने इसे भगवान अयप्पा की नैष्ठिक ब्रह्मचर्य पर आधारित धार्मिक परंपरा बताया, जिसका सम्मान किया जाना चाहिए। तब इस पूरे विमर्श का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष जिस रूप में सामने आया, वह है नारी का समग्रता से सम्मान। अब प्रश्न यह है कि क्या भारतीय शास्त्रों में, ज्ञान परंपरा में, हिन्दू व्यवस्था में, सनातन धर्म में स्त्री का स्थान नीचा, ओछा या कमजोर है? इसका उत्तर सहज है कि बिल्कुल भी नहीं, बल्कि विश्व भर की प्राचीन सभ्यताओं में जो अद्यतन है, उनमें तुलनात्मक रूप से हिन्दू सनातन धर्म में स्त्री को अत्यधिक मान, बराबरी का हक दिया गया है । इस संबंध में देवी आराधना को देखा जा सकता है, जोकि भारत में सर्वत्र एक रूप में सर्वव्यापी है। यदि हम दुर्गा सप्तशती का अध्ययन करें, तो स्पष्ट होता है कि स्त्री ब्रह्मांड की मूल शक्ति के रूप में स्वीकार किया गया है। संपूर्ण दुर्गासप्तशती ही स्त्री महात्म, नारी समम्मान, श्रद्धा और उसके प्रति समर्पण से पूर्ण है। या देवी सर्वभूतेषु शक्ति-रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।ह्व (दुर्गा सप्तशती, अध्याय 5), इस प्रकार के मंत्रों की पूरी श्रंखला है। विद्याः समस्तास्तव देवि भेदाः,स्त्रियः समस्ताः सकला जगत्सु।त्वयैकया पूरितमम्बयैतत्, का ते स्तुतिः स्तव्यपरा परोक्तिः॥ के माध्यम से कहा गया है कि ₹हे देवी! संसार की समस्त विद्याएं तुम्हारे ही भिन्न-भिन्न स्वरूप हैं। इसी प्रकार, विश्व की समस्त स्त्रियां (सकला जगत्सु - संसार में) तुम्हारा ही रूप हैं। हे अंब (माता)! इस पूरे जगत को तुमने ही आच्छादित (पूरित) किया है। तुम्हारी स्तुति भला कौन कर सकता है? तुम तो स्तुति के योग्य शब्दों से भी परे हो।₹ कुल मिलाकर समस्त जगत में जो कुछ भी है, वह स्त्री-शक्ति से ही व्याप्त है। यही भारतीय दर्शन का मूल तत्व है जो हमें बताता है कि स्त्री ही सृष्टि की आधारभूत ऊर्जा है। इसी भाव को देवी भागवत पुराण अभिव्यक्त करता है, ह्लत्वमेव सृष्टिः त्वमेव पालनं, त्वमेव संहारकारिणी।ह्व अर्थात सृष्टि की उत्पत्ति, पालन और संहार–तीनों स्त्री-शक्ति के अधीन हैं। (स्कंध 1, अध्याय 8) । वैदिक साहित्य में भी स्त्री के इसी उच्च स्थान का उल्लेख मिलता है। ऋग्वेद (मंडल 10, सूक्त 125) में वाक सूक्त के माध्यम से स्त्री स्वयं को ब्रह्मांड की अधिष्ठात्री शक्ति के रूप में प्रस्तुत करती है-

अहं राष्ट्री संगमनी वसूनाम्ङ्खह्व ऋग्वेद (10.125.3) के 'वाक सूक्त' का एक अत्यंत महत्वपूर्ण मंत्र है, जो ज्ञानशक्ति (देवी वाक) की सर्वोच्चता बताता है। इसका अर्थ हुआ, ₹मैं (वाक/शक्ति) राष्ट्र की स्वामिनी हूँ, समस्त धनों (वसूनाम्) को इकट्ठा करने वाली (संगमनी) हूँ और श्रेष्ठ ज्ञान रखने वाली (चिकितुषी) हूँ। इस प्रकार से यह सर्वोच्च चेतना या वाणी के रूप में स्वयं को राष्ट्र के ऐश्वर्य और ज्ञान का मूल बताती है। मनुस्मृति में तो यहां तक कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।ह्व (अध्याय 3, श्लोक 56)। जहां स्त्री की पूजा होती है, वहीं देवता निवास करते हैं। वस्तुतः कहना होगा कि यह श्लोक भारतीय समाज की मूल संरचना को दशार्ता है। आधुनिक विद्वान पैट्रिक ओलिवेल भी इसे स्त्री के सम्मान का प्रमाण मानते हैं। हां, यह जरूर है कि अक्सर रामचरितमानस की एक चौपाई को लेकर भ्रम फैलाया जाता है। परंतु गोस्वामी तुलसीदास की भाषा और संदर्भ को समझे बिना उसका अर्थ निकालना उचित नहीं है। उक्त चौपाई में ह्लताड़नाह्व का अर्थ अवधी में देखभाल या संरक्षण होता है। आचार्य रामचंद्र शुक्ल (हिंदी साहित्य का इतिहास, पृ. 214) इस तथ्य को स्पष्ट करते हैं। अब प्रश्न यह है कि यदि भारतीय परंपरा स्त्री को इतना उच्च स्थान देती है, तो सबरीमाला जैसी परंपराएँ क्यों? इसका उत्तर सामाजिक और जैविक यथार्थ में निहित है। मासिक धर्म एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसमें महिलाओं को शारीरिक कष्ट, थकान और असुविधा होती है। इस संदर्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का 2022 का संदर्भ देख सकते हैं, जिसके अनुसार लगभग 70 फीसद महिलाएँ इस दौरान किसी न किसी प्रकार की पीड़ा अनुभव करती हैं। प्राचीन काल में स्वच्छता के साधनों के अभाव के कारण महिलाओं को विश्राम देने के उद्देश्य से कुछ परंपराएँ विकसित हुईं। यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि ह्लविश्राम हेतु अलग रखनाह्व और ह्लअस्पृश्य माननाह्व दो अलग अवधारणाएँ हैं। भारतीय समाज में मूल भावना संरक्षण और स्वास्थ्य की थी, न कि भेदभाव की। यहां यह भी समझना होगा कि देवता के दर्शन या उसके पास जाने के लिए तन और मन दोनों की पवित्रता की अनिवार्यता भारतीय परंपरा में अनवार्य बताई गई है, एक बार को हम स्त्री के संबंध में इस विमर्श को छोड़ भी दें तो क्या पुरुषों को यह अनुमति मिल सकती है कि वह मंदिर में जाए, यदि उसके जननांग से रुक-रुक कर मूत्र बूंद-बूद में शरीर के बारह आ रहा है, तो क्या वह स्वयं ही या उसके परिवार जन या मंदिर में यह जानकर की उसका उसके मूल विसर्जन पर अंकुश नहीं, क्या उसे मंदिर में प्रवेश मिलेगा? वैज्ञानिक भाषा में तो वह पानी ही तो है!

इसी तरह से मल त्याग या शरीर से लगातार थूक के निकलने एवं नाक का बहना है, होने को तो यह एक क्रिया ही है, क्या तब मंदिर में प्रवेश मिलेगा? सभी हिन्दू घरों में यह सामान्य परंपरा है जिसके लिए कोई किसी से कुछ नहीं कह रहा, स्नान के बाद पूजा करने से पूर्व घर के सदस्य चाहे जहां, इधर-उधर नहीं बैठते हैं। कोई बिना नहाए उनसे गले लगना भी चाहे तो उसे पूजा सम्पन्न होने तक इंतजार करना होता है। फिर यह सबरीमाला प्रकरण तो करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा हुआ है।

भारतीयता में समाहित है वैश्विक कल्याण का मार्ग

टैरिफ को लेकर ट्रंप के अपरिपक्व एवं गैर–जिम्मेदार रवैये तथा पल–पल बदलते उनके बचकाने बयानों ने भूमंडलीकरण के मूल उद्देश्यों पर ही प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। जिस भूमंडलीकरण को परस्पर निर्भरता, वैश्विक सहयोग एवं साझा प्रगति का आधार माना गया था, आज वह कमजोर पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है।

प्रो. एस. के. सिंह

वर्तमान में अविश्वास की परतों से घिरी हुई विश्व व्यवस्था अनेक प्रकार के संघर्षों एवं अस्थिरताओं से जूझ रही है। ईरान बनाम अमेरिका-इजराइल युद्ध, अमेरिका द्वारा वेनेजुएला में की गई असंगत कार्यवाही, लंबे समय से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध, पर्यावरण संकट, मानसिक तनाव एवं बढ़ती असहिष्णुता इस बात का प्रमाण है कि आज विश्व गहरे संकट से गुजर रहा है।

वस्तुतः पिछले कुछ समय की सैन्य गतिविधियों को देखकर तो ऐसा लग रहा है कि विश्व-व्यवस्था पूरी तरह से लड़खड़ा गई है एवं धीरे-धीरे दुनिया जंगलराज की ओर बढ़ रही है। टैरिफ को लेकर ट्रंप के अपरिपक्व एवं गैर-जिम्मेदार रवैये तथा पल-पल बदलते उनके बचकाने बयानों ने भूमंडलीकरण के मूल उद्देश्यों पर ही प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। जिस भूमंडलीकरण को परस्पर निर्भरता, वैश्विक सहयोग एवं साझा प्रगति का आधार माना गया था, आज वह कमजोर पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। इन विषम परिस्थितियों में भारतीय दर्शन, भारत की संस्कृति अर्थात ह्यभारतीयताह्ल एक ऐसा विकल्प है जो विश्व में स्थायी शांति, संतुलन, समन्वय एवं सहयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

हजारों सालों से पूरी पृथ्वी को एक मानने एवं मानवता के समग्र कल्याण पर आधारित ह्यवसुधैव कुटुम्बकमह्ल, ह्यसर्वे भवन्तु सुखिनःह्ल, ह्यसर्वजन हिताय, सर्वजन सुखायह्ल जैसे भारतीय सिद्धांतों में विकास और प्रगति का अर्थ किसी एक व्यक्ति या किसी एक राष्ट्र का हित नहीं बल्कि समग्र रूप में पूरी मानवता का कल्याण करना है, अर्थात ह्यस्वह्ल से ह्यसर्वह्ल की यात्रा ही भारतीयता है। भारतीयता के इस मूल भाव को भारतीय जीवन दृष्टि के विभिन्न पहलुओं में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

भारतीयता का एक महत्वपूर्ण आयाम प्रकृति के साथ निकटता, सामंजस्य एवं संतुलन रखना है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में वृक्षों, नदियों, पर्वतों एवं धरती को पूजनीय माना गया है, जिसमें यह मान्यता है कि प्रकृति के साथ समन्वय रखकर ही पृथ्वी को बचाकर जीवन को सुरक्षित रखा जा सकता है। सत्य, परोपकार, त्याग, दया, करुणा, अहिंसा, सहिष्णुता, नैतिकता, भक्ति, समर्पण, संयम और राष्ट्रप्रेम जैसे भारतीय जीवन मूल्य, मूल्य-आधारित भारतीयता की आत्मा हैं। कई तरह की विविधताओं के बावजूद ह्यअनेकता में एकताह्ल भी भारतीयता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। ह्यसाईं इतना दीजिए जामें कुटुम्ब समायह्ल अर्थात हमें उतना ही संचय करना चाहिए, जितना आवश्यक है। भारतीय मूल्यों की यह गहन अभिव्यक्ति भारतीयता के उस पहलू को उजागर करती है जहां व्यक्तिगत और सामूहिक हित साथ-साथ चलते हैं। इसके विपरीत पाश्चात्य चिंतन के मूल में व्यक्ति, भौतिकता, बाहरी दुनिया एवं बाहरी उपलब्धियां हैं। इसलिए पश्चिम का मूल स्वभाव स्वार्थ है न कि सद्भाव। जिसके कारण कभी-कभी किसी एक व्यक्ति की अनैतिक एवं अनुचित महत्वाकांक्षाओं का खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ता है। ईरान, अमेरिका-इजराइल युद्ध के चलते पूरी दुनिया में इंटरनेट बंद होने का खतरा मंडरा रहा है। अनगिनत लाभ के बावजूद अनियंत्रित लालच तथा विज्ञान एवं तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता हमारे विनाश का कारण भी बन सकती है। भारत का स्पष्ट मानना है कि विज्ञान का उपयोग मानवता एवं मानव कल्याण के लिए होना चाहिए न कि व्यक्तिगत लाभ तथा भौतिक सुख-सुविधाओं की अंधी दौड़ एवं प्रभुत्व स्थापित करने के लिए। यही कारण है कि 16 से 20 फरवरी, 2026 को दिल्ली में आयोजित ह्यइंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026ह्ल की थीम ह्यसर्वजन हिताय, सर्वजन सुखायह्ल रखी गई थी। इसके पूर्व नई दिल्ली में ही आयोजित जी-20 के शिखर सम्मेलन की मुख्य थीम ह्यवसुधैव कुटुम्बकमह्ल थी, जिसमें वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर का नारा दिया गया था।

स्पष्ट है कि भारत को जब भी दुनिया का नेतृत्व करने का अवसर मिला है, भारत ने सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश की है। चूंकि विस्तारवादी सोच की शुरूआत हमेशा लालच से होती है, इसलिए भारतीय चिंतन में इस सोच को कभी भी प्रश्रय नहीं दिया गया। आध्यात्मिकता भारतीय चिंतन की मूल विशेषता है, इसलिए भारतीयता के हर पहलू में हमें इसकी झलक दिखाई देती है। सदियों से भारत में शिक्षा को विद्या, छात्र को विद्यार्थी एवं शिक्षक को गुरु कहा जाता था। शिक्षा हमें बाहरी ज्ञान एवं जीवनयापन सिखाती है, जबकि विद्या एक आंतरिक गुण है जो कि हमारे विवेक, संस्कारों एवं आचरण से जुड़ी होती है तथा हमें सही एवं गलत में भेद करना सिखाती है। शिक्षा सिर्फ सफलता तक सीमित रहती है जबकि विद्या हमें सार्थकता तक ले जाती है। श्री विष्णु पुराण में उल्लेख है कि ह्यतत्कर्म यन्न बन्धाय, सा विद्या या विमुक्तयेह्ल अर्थात कर्म वही है जो बंधन में न बांधे और विद्या वही है जो मुक्त करे। यही कारण है कि भारतीयता में आत्म-बोध अर्थात आत्म-साक्षात्कार पर विशेष बल दिया गया है। शिक्षा वह है जिसे प्राप्त करने के बाद विनम्रता आए एवं व्यक्ति, व्यक्तिगत लाभ की जगह सामूहिक हित को प्राथमिकता दे, इसलिए भारतीय ज्ञान परंपरा में कहा गया है कि ह्यविद्या ददाति विनयंह्ल अर्थात सच्ची विद्या से व्यक्ति में विनम्रता आती है। भारतीय ज्ञान परंपरा त्याग, परोपकार एवं आत्मबोध पर आधारित होने के कारण संयम, उत्तरदायित्व एवं कर्तव्यबोध की भावना उत्पन्न करती है, जबकि पाश्चात्य ज्ञान परंपरा तर्क, विज्ञान एवं भौतिकता पर आधारित होने के कारण प्रतिस्पर्धा, अहंकार, श्रेष्ठता-बोध एवं आत्मकेन्द्रित बनाती है।

यहां स्पष्ट है कि दुनिया में यदि स्थायी शांति एवं सद्भाव स्थापित करना है तो हमें भारतीयता के मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना होगा। यहां पर यह उल्लेख करना आवश्यक है कि अतीत की ओर लौटना ही भारतीयता नहीं है, बल्कि ह्यनित्य नूतन, चिर पुरातनह्ल की सोच के साथ भविष्य के लिए एक संतुलित एवं मानवीय मार्ग का निर्माण करना भारतीयता का एक प्रमुख गुण है। यह केवल अतीत की धरोहर नहीं बल्कि भविष्य के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत है।

पर्यावरणीय असंतुलन, नैतिक पतन एवं सामाजिक विघटन के इस दौर में भारतीयता के मूल तत्वों से प्रेरित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ह्यपंच परिवर्तनह्ल न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक हैं, क्योंकि भारतीयता का मूल आधार भौगोलिक सीमाएं नहीं बल्कि समस्त जड़-चेतन एवं मानवता है। संघ के पंच परिवर्तन का किसी भी राजनीतिक दल द्वारा विरोध न किया जाना इसकी व्यापक स्वीकार्यता एवं सहमति का सबसे बड़ा प्रमाण है। भारतीयता एवं संवैधानिक आदर्शों से प्रेरित सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी चेतना एवं नागरिक कर्तव्य ऐसे आधारभूत मूल्य हैं जो न केवल भारत के उत्थान तक सीमित हैं बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रासंगिक और उपयोगी हैं। स्वार्थ एवं संघर्ष में फंसी दुनिया के लिए भारतीयता ही एक मात्र विकल्प है। ऐसे में कहना यही है कि वैश्विक चुनौतियों के इस दौर में आज विश्व जिन समस्याओं से जूझ रहा है, उन सभी का स्थायी समाधान भारतीयता पर आधारित शिक्षा में निहित है। ऐसी शिक्षा जो आधुनिकता को भारतीय पहचान से जोड़े भारतीय शिक्षा है। शिक्षा में भारतीयता का आशय सिर्फ पीछे मुड़कर देखना नहीं बल्कि वर्तमान से सामंजस्य स्थापित कर एक ऐसी जीवन दृष्टि प्रदान करना है जिसमें व्यक्ति यह समझ सके कि केवल विज्ञान नहीं बल्कि विज्ञान एवं आध्यात्मिकता का सामंजस्य ही वैश्विक समस्याओं के स्थायी समाधान का मूल मंत्र है। आध्यात्मिकता एवं स्वीकार्यता भारतीयता की वे सार्वभौमिक विशेषताएं हैं जो भारत को पुनः विश्वगुरु के रूप में स्थापित करने की क्षमता रखती हैं। यही कारण है कि आज भारत वैश्विक परिदृश्य में एक नई उम्मीद और विश्वास के केन्द्र के रूप में उभर रहा है।

(लेखक जीवाजी विश्वविद्यालय में वाणिज्य एवं व्यवसाय अध्ययनशाला में विभागाध्यक्ष हैं।)

उपेक्षित आबादी बनाम वैश्विक एजेंडा: असली मुद्दे क्यों ओझल हो रहे हैं?

एक ओर इतनी विशाल आबादी है जो अदृश्य बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर एक छोटा समुदाय वैश्विक एजेंडों और वित्तीय तंत्रों के माध्यम से राष्ट्रीय बहस को प्रभावित कर रहा है। इस विरोधाभास ने एक बड़ा प्रश्न खड़ा किया है कि क्या हमारे राष्ट्रीय मुद्दों पर वैश्विक एजेंडों का कब्जा हो रहा है।

कैलाश चन्द्र

भारत का सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य जितना विशाल है, उतना ही जटिल भी है। इस जटिलता के बीच आज हमारे सामने दो वास्तविकताएँ खड़ी हैं। पहली, भारत के ग्यारह करोड़ से अधिक घुमन्तु, अर्धघुमन्तु और डिनोटिफाइड जनजाति समुदाय जिन्हें डीएनटी, एनटी और एसएनटी के रूप में भी जाना जाता है, जोकि आज भी पहचान, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और मानवाधिकारों की बुनियादी लड़ाई लड़ रहे हैं। दूसरी ओर एलजीबीटीक्यू प्लस समुदाय का मुद्दा है, जिसकी जनसंख्या लगभग पाँच से छह लाख मानी जाती है, किन्तु राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विमर्श में उसकी उपस्थिति अत्यधिक बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत की जा रही है। एक ओर इतनी विशाल आबादी है जो अदृश्य बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर एक छोटा समुदाय वैश्विक एजेंडों और वित्तीय तंत्रों के माध्यम से राष्ट्रीय बहस को प्रभावित कर रहा है। इस विरोधाभास ने एक बड़ा प्रश्न खड़ा किया है कि क्या हमारे राष्ट्रीय मुद्दों पर वैश्विक एजेंडों का कब्जा हो रहा है। भारत का जनजाति समाज गौरव, संघर्ष और उपेक्षा की एक लंबी कहानी अपने भीतर समेटे हुए है। भारत की जनजातियाँ, चाहे वे अनुसूचित जनजाति हों या घुमन्तु और अर्धघुमन्तु समुदाय, सदियों से भारतीय सभ्यता का अभिन्न अंग रही हैं। उनकी विवाह परम्पराएँ, कृषि-कौशल, वन-ज्ञान, संगीत और नृत्य की परम्परा, आत्मनिर्भर जीवन शैली और सांस्कृतिक स्वायत्तता, ये सभी भारतीय समाज के मूल स्वरूप से ही उत्पन्न हुए हैं, लेकिन औपनिवेशिक दौर में इनके परिचय को लेकर जान-बूझकर भ्रम पैदा किया गया। मैक्समूलर और मैकाले जैसे विद्वानों ने इंडीजिनस, एबोरिजिनल और ट्राइब जैसे विदेशी शब्दों को थोपकर भारतीय जनजाति समाज को मुख्यधारा से अलग दिखाने का प्रयास किया। ब्रिटिश शासन के लिए इसका उद्देश्य स्पष्ट था, वन-संपदा, खनिज और भूमि पर अपना अधिपत्य स्थापित करना। उद्योगों के विस्तार के नाम पर वन समुदायों के अधिकारों को कमजोर किया गया और क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट (1871) जैसे कानूनों ने पूरे के पूरे समुदायों को अपराधी घोषित कर दिया। यह कलंक आज भी कई क्षेत्रों में सामाजिक व्यवहार का हिस्सा बना हुआ है।

स्वतंत्र भारत में भी यह उपेक्षा पूरी तरह समाप्त नहीं हुई। रेंके कमीशन (2008) और इडेट कमीशन (2018) की रिपोर्टों के अनुसार देश में आठ से ग्यारह करोड़ के बीच घुमन्तु और डिनोटिफाइड जनजातियाँ हैं, किंतु अब तक किसी भी जनगणना में इन्हें अलग श्रेणी के रूप में स्थान नहीं मिला है। सत्तर से अस्सी प्रतिशत लोगों के पास स्थायी पता, पहचान पत्र या आवास संबंधी दस्तावेज तक नहीं हैं। सरकारी योजनाएँ इन तक पहुँच ही नहीं पातीं, जिससे शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य की स्थिति अत्यंत दयनीय बनी हुई है। रोजगार और आजीविका के अवसर भी इनके लिए बेहद सीमित हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जब इतनी बड़ी आबादी अपनी बुनियादी पहचान तक से वंचित है, तब इसे राष्ट्रीय विमर्श में स्थान क्यों नहीं मिलता?

इसके विपरीत एलजीबीटीक्यू प्लस विमर्श का वैश्विक स्तर पर तीव्र उत्थान देखा जा रहा है। यह स्वीकार करना आवश्यक है कि इस समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, सुरक्षा और संवैधानिक अधिकार मिलना चाहिए, क्योंकि यह किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की बुनियादी जिम्मेदारी है, किंतु जब हम तुलना के स्तर पर देखते हैं तो एक स्पष्ट असंतुलन सामने आता है। एक ओर पाँच से छह लाख की अनुमानित आबादी वाला समुदाय है, जिसे राष्ट्रीय विमर्श में अत्यधिक स्थान प्राप्त है, वहीं दूसरी ओर आठ से ग्यारह करोड़ की घुमन्तु और डिनोटिफाइड जनजातियाँ हैं, जिन्हें लगभग नगण्य स्थान मिलता है। यह स्थिति अपने आप में कई सवाल खड़े करती है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? अब इसे गहराई से समझें तो इसका एक उत्तर वैश्विक फंडिंग नेटवर्क में दिखाई देता है। फोर्ड फाउंडेशन, ओपन सोसाइटी फाउंडेशन्स, रॉकफेलर नेटवर्क, ह्यूमन राइट्स फंड, यूएनडीपी इन्क्लूजन फंड और वैश्विक कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व तंत्र जैसी संस्थाएँ भारतीय विश्वविद्यालयों, गैर-सरकारी संगठनों, मीडिया मंचों, सांस्कृतिक आयोजनों और डिजिटल अभियानों में भारी निवेश कर रही हैं। यह निवेश मुख्य रूप से एलजीबीटीक्यू प्लस और जेंडर फ्लुइडिटी जैसे एजेंडों के विस्तार के लिए किया जा रहा है। आँकड़े बताते हैं कि पिछले पाँच वर्षों में ऐसे विषयों पर आधारित कार्यक्रमों और उत्सवों में दो सौ से चार सौ प्रतिशत तक वृद्धि हुई है, जिनमें साहित्यिक उत्सव, फिल्म समारोह, सामाजिक मीडिया संवाद और जेंडर आधारित चर्चाएँ प्रमुख हैं। इसके विपरीत यही समय अवधि ऐसी रही है, जिसमें घुमन्तु समाज पर राष्ट्रीय स्तर का कोई बड़ा आयोजन देखने को नहीं मिला।

ब्रांडिंग और वास्तविक मुद्दों के बीच यह अंतर भी इस असंतुलन को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सामाजिक विशेषज्ञों का मानना है कि एलजीबीटीक्यू प्लस विषय शहरी ब्रांडिंग के अनुकूल है, कॉरपोरेट प्रगतिशीलता के मॉडल से मेल खाता है। यह पश्चिमी राजनीतिक एजेंडों के अनुरूप है और मीडिया तथा एलीट वर्ग के लिए प्रतिष्ठा का विषय भी बन चुका है, इसलिए इसे वित्तीय सहयोग और मंच उपलब्ध कराना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है। इसके विपरीत घुमन्तु और डिनोटिफाइड जनजातियाँ न तो शहरी परिवेश का हिस्सा हैं, न ही उनके पास सामाजिक या डिजिटल प्रभाव है। वे बाजार या मीडिया के लिए तथाकथित रूप से आकर्षक नहीं मानी जातीं और न ही उनकी कहानी वैश्विक विमर्श के अनुरूप प्रस्तुत की जाती है। परिणामस्वरूप वे ब्रांड वैल्यू नहीं बन पातीं और विमर्श से बाहर रह जाती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी यह असंतुलन स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। पिछले कुछ वर्षों में कई प्रमुख विश्वविद्यालयों ने जेंडर फ्लुइडिटी, क्वीयर स्टडीज और सेक्सुअलिटी करिकुलम जैसे विषयों को अपने पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। वहीं दूसरी ओर घुमन्तु जनजातियों का इतिहास, उनकी परम्पराएँ, उनकी कला, भाषा और संस्कृति, तथा औपनिवेशिक शोषण का उनका अनुभव, इन सभी विषयों पर राष्ट्रीय स्तर का कोई ठोस अकादमिक कार्यक्रम उपलब्ध नहीं है। इससे यह संकेत मिलता है कि भारत की शिक्षा प्रणाली भी कहीं न कहीं वैश्विक एजेंडों से प्रभावित हो रही है।

(लेखक स्तम्भकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता हैं।)

18 महापुराणों में छिपा है जीवन का सार

हिंदू धर्म में 18 महापुराणों के विशेष महत्व के बारे में बताया गया है। धार्मिक मान्यता है कि इन ग्रंथों में धार्मिक आस्था का वर्णन किया गया है। वहीं इन पुराणों में ऋषि-मुनियों की कथाएं, सृष्टि की उत्पत्ति, इतिहास और प्रलय का जिक्र किया गया है। साथ ही यह भी कहा जाता है कि यह पुराण वेदों के बाद की रचनाएं हैं। इनमें जीवन के गूढ़ सिद्धांतों की जानकारी है। इन पुराणों का अध्ययन करने से व्यक्ति के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इन पुराणों को पढ़ने से व्यक्ति जीवन चक्र को भी समझने लगता है।

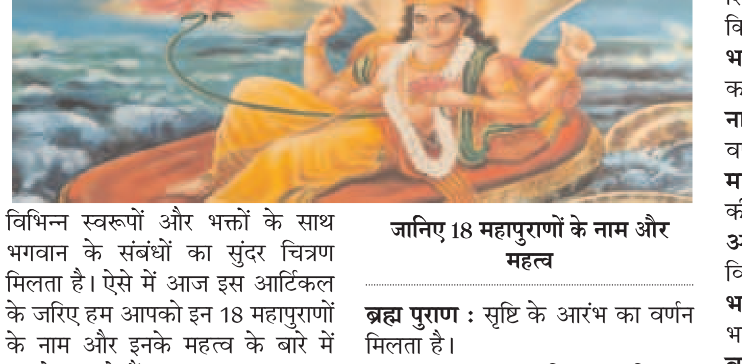

बता दें कि इन पुराणों को भक्ति-ग्रंथ के रूप में भी जाना जाता है। क्योंकि इनमें भगवान की लीलाओं, उनके विभिन्न स्वरूपों और भक्तों के साथ भगवान के संबंधों का सुंदर चित्रण मिलता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इन 18 महापुराणों के नाम और इनके महत्व के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए 18 महापुराणों के नाम और महत्व

ब्रह्म पुराण : सृष्टि के आरंभ का वर्णन मिलता है।

पद्म पुराण : भगवान विष्णु का विवरण मिलता है।

विष्णु पुराण : इसमें जगत के पालनहार भगवान विष्णु के अवतारों का जिक्र किया गया है।

शिव पुराण : शिव पुराण में भगवान शिव और पूरे 12 ज्योतिलिंगों का वर्णन किया गया है।

भागवत पुराण : श्री कृष्ण की लीलाओं का वर्णन मिलता है।

नारद पुराण : व्रत और तीर्थ स्थलों का वर्णन मिलता है।

मार्कंडेय पुराण : इन पुराण में देवी दुर्गा की महिमा का जिक्र किया गया है।

अग्नि पुराण : अग्नि पुराण में ज्योतिष विद्या का जिक्र देखने को मिलता है।

भविष्य पुराण : आने वाले समय की भविष्यवाणियों का उल्लेख मिलता है।

ब्रह्मवैवर्त पुराण : प्रकृति की कथाओं का संकलन देखने को मिलता है।

लिंग पुराण : शिवलिंग पूजा के महत्व के बारे में बताया गया है।

वराह पुराण : वराह अवतार द्वारा पृथ्वी के उद्धार की जानकारी मिलती है।

स्कंद पुराण : भगवान कार्तिकेय की कथा है।

वामन पुराण : भगवान विष्णु के वामन अवतार का जिक्र किया गया है।

कूर्म पुराण : इस पुराण में आध्यात्मिक ज्ञान का उपदेश देखने को मिलता है।

मत्स्य पुराण : सृष्टि के प्रलय की प्राचीन कथाएं हैं।

गरुड़ पुराण

गरुड़ पुराण में मृत्यु और मोक्ष की जानकारी मिलती है।

ब्रह्मांड पुराण

बता दें कि इस पुराण में ब्रह्मांड के रहस्यों का जिक्र है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का हुआ विधिवत शुभारंभ

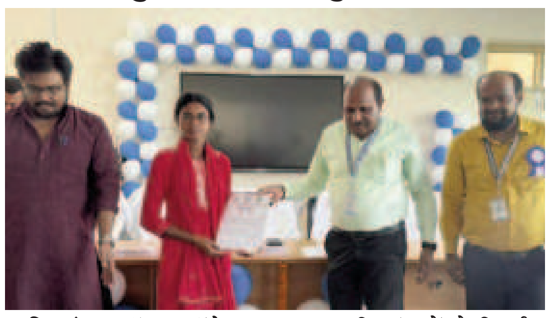

साहिबगंज : मॉडल कॉलेज राजमहल साहिबगंज में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के प्रथम दिन का विधिवत शुभारंभ हुआ सेमिनार का विषय रखा गया है। कार्यक्रम की शुरूआत सिदो-कान्हु मुर्मू के चित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्वलन के साथ हुई। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह द्वारा अंगवस्त्र, शॉल, स्मृति चिह्न एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानपूर्वक किया गया। जबकि मुख्य अतिथि के रूप में सिदो-कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के माननीय कुलपति प्रो. डॉ.राम कुमार सिंह ऑनलाइन माध्यम से जुड़े और अपना संबोधन दिया। अपने वक्तव्य में उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के समय में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में एआई की आवश्यकता बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि एआई टूल्स की उपयोगिता आज हर क्षेत्र में है और व्यक्ति अपने पैशन एवं करियर के अनुसार इसका प्रभावी उपयोग कर सकता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वर्तमान आईटी युग में अधिकांश कार्य एआई गाइडेड हो चुके हैं।जिससे कार्यों की गति और दक्षता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।डॉ. राजेश सोलोमन पॉल ने अपने संबोधन में एआई को वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने युवाओं को अपनी रुचि के अनुसार एआई टूल्स का उपयोग कर भविष्य निर्माण की प्रेरणा दी और विकसित भारत की परिकल्पना में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया।कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सिदो-कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के कुलसचिव डॉ. राजीव रंजन शर्मा ने कहा कि शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, रक्षा एवं कृषि सहित सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और हमें इसके सकारात्मक पक्षों को अपनाना चाहिए।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में रणधीर सिंह, डॉ. धुर्व ज्योति कुमार सिंह, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. चन्द्रशेखर प्रसाद, डॉ. सोनू, डॉ. मरियम हेम्ब्रम, डॉ. सेमी मरांडी, डॉ. मेरी मुर्मू, मुस्कान, डॉ. सुब्रत सिंह, राज कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

नगर परिषद को 20 सूत्री कार्य सूची समर्पित

साहिबगंज : वार्ड नंबर 07 की ओर से वार्ड पार्षद सुनीता सिहां ने वार्ड भ्रमण कर,नगर परिषद बोर्ड के प्रथम सत्र में जनता की समस्याओं से अवगत होकर,बोर्ड द्वारा प्रस्तावित सूची का जवाब देते हुए।जनता के कार्य को नगर परिषद द्वारा आसान बनाना,किसी भी कार्य का त्वरित कार्रवाई करते हुए, उसे अंजाम तक जनता के हित में पहुंचाना एवं जनहित में जनता के ऊपर किसी भी कर का अनावश्यक बोझ ना डालना पानी आवश्यक चीज है।उसे जरूरतमंदों को आर्थिक बोझ से मुक्त करना बरसात से पूर्व सभी नाला का मरमती कराना,सभी बड़े नाला का सफाई अति शीघ्र कराना,ब्लीचिंग पाउडर एवं मच्छर से बचने का छिड़काव कराना,जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र आसानी से निर्गत करना,सफाई पर विशेष अभियान चलाना जिससे शहर स्वच्छ दिखे पेयजल वाले अति शीघ्र जलआपूर्ति करें एवं तोड़े गए सड़क गली का मरमती अभिलंब करें ।कार्यालय और कर्मचारियों का जनता के साथ कुशल व्यवहार दिखे इत्यादि सभी जनता के सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद को 20 सूत्री कार्य सूची समर्पित किया है !

अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस रहे सतर्क : एसडीपीओ

साहिबगंज : अनुमंडलीय कार्यालय भवन स्थित एसडीपीओ कार्यालय में शुक्रवार को मासिक अपराध नियंत्रण गोष्टी हुई। इसकी अध्यक्षता सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने की।उन्होंने उपस्थित सभी थाना प्रभारी को अपराध नियंत्रण पर विशेष फोकस रखने का निर्देश दिया।कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत है।किसी भी हाल में कोताही नहीं बरतें।उन्होंने नशा उत्पादों पर रोक लगाने,मोटरसाइकिल की चोरी व घरों में चोरी पर रोक लगाने,रात्रि गश्ती करने, संदिग्ध लोगों की जांच करने, चौक-चैराहों व सन्नाटों में बेवजह खड़े लोगों से पूछताछ करने,हर गली-मोहल्लों में पेट्रोलिंग करने,लंबित कांडों को जल्द से जल्द निष्पादन करने, लाल वारंटियों को गिरफ्तार करने, सुचारू रूप से वाहन जांच अभियान चलाने,अवैध लॉटरी, जुआ के अड्डे व गांजे जैसे अवैध कारोबार पर नकल कसने,लोगों से बेहतर तालमेल बनाने, थानों में लोगों की समस्या सुनने,सूचना तंत्र को मजबूत बनाने जमीनी विवाद पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।मौके पर नगर इंस्पेक्टर अमित गुप्ता,मुफस्सिल थाना पर प्रभारी अनीश पांडेय,मिजाचौकी थाना प्रभारी रुपेश कुमार यादव,जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि कुमार,रिवर थाना प्रभारी,महिला थाना प्रभारी व अन्य थे।

बच्चों के बीच पोशाक का वितरण

बड़कागांव : प्रखंड अंतर्गत चेपाकला पंचायत के अति सुदूर ग्रामीण क्षेत्र हुदूवा गांव स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के बीच पोशाक का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद प्रतिनिधि सह पंचायत समिति सदस्य कृष्णा राम उपस्थित रहे। उनके हाथों 25 विद्यार्थियों के बीच जूता, मौजा, शर्ट-पैंट आदि का वितरण किया गया।इस अवसर पर कृष्णा राम ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी विद्यार्थी नियमित रूप से विद्यालय की पोशाक पहनकर आएं और पढ़ाई में मन लगाएं। उन्होंने आश्वासन दिया कि क्षेत्र में पानी की समस्या के समाधान के लिए बीडीओ से बात कर शीघ्र ही पानी की टंकी की व्यवस्था कराई जाएगी।

कार्यक्रम में विद्यालय प्रभारी उमेश कुमार, सहायक शिक्षक महेश महतो, विद्यालय अध्यक्ष पवन कुमार तुरी, रीता देवी, मंजू देवी, गुड़िया देवी, अंजली देवी, रेशमी देवी, सोनिया देवी, सुकरी देवी सहित सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

नगर परिषद बोर्ड की पहली बैठक में शहर के विकास का खींचा गया खाका

संवाददाता

साहिबगंज : नगर परिषद सभागार में शुक्रवार को नगर परिषद की बोर्ड की पहेली बैठक नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान जनहित व सेवाओं से जुड़े कई अहम फसले लिए गए।बोर्ड ने टोटो चालकों को टैक्स फ्री कर दिया।वहीं बोर्ड गठन के पूर्व नगर परिषद से हुए होर्डिंग के टेंडर तत्काल रद्द कर दिए गए। जबकि कई वर्षों से एक ही जगह जमे कर्मियों का फेर-बदल भी किया गया।शहर की स्वच्छता, बिजली, पानी व अन्य बुनियादी मुद्दों पर भी कई निर्णय लिए गए।यात्री वाले ई-रिक्शा से नहीं टैक्स नहीं वसूलने,सिर्फ मालवाहक टोटो से टैक्स वसूलने,आश्रय गृह परिसर में दिशोम गुरु की प्रतिमा स्थापित करने,सभी वार्ड में 50-50 सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने,चापानल दुरुस्त करने व नए चापानल लगाने, अध्यक्ष को 20 हजार,उपाध्यक्ष 15 हजार व वार्ड पार्षदों को 12 हजार मानदेय देने,28 वार्डों के लोगों के लिए 5 एम्बुलेंस सेवा शुरू करने का निर्णय लिया गया।वहीं शहर की साफ-सफाई को प्राथमिकता देते हुए निर्णय लिया कि शहर के 14 वार्ड शिव हरि एवं 14 वार्ड की साफ-सफाई सेनेटरी सुपरवाइजर प्रिंस की देखरेख में करायी जाएगी।

आकांक्षा कंपनी को प्रत्येक घर से कचरा उठाव का निर्देश दिया गया। बुनियादी जरूरतों बिजली,पानी, सड़क,नाला,नाली निर्माण सहित कुल 21 मुद्दों पर भी चर्चा कर प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में उपाध्यक्ष विनीता देवी, वार्ड पार्षद सुशील भरतीया, संजू देवी,रोशनी कुमारी,बेबी खातून, शेखर कुमार पासवान, सुनीता सिन्हा, रश्मि चोखानी, रिफत परवीन,पार्वती देवी, रंजीत प्रसाद साह, हिना परवीन, बुशरा तहरीम, अमित कुमार साह, मोहम्मद नजरुल बारी, अमृता कुमारी, सुनीता देवी, कंचन देवी, वर्षा कुमारी, दीपा देवी, सीमा देवी, सुरेंद्र यादव, मनोज तांती, दुलारी देवी, आरती कुमारी, चमरू उरांव, अंजली कुमारी, पार्वती उरांव सहित सभी कर्मी मौजूद थे।

स्वास्थ्य विभाग की टीम यज्ञ परिसर में जीवन रक्षक दवाई के साथ नियुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : श्री श्री 1008 लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के तीसरे दिन आज सुबह वैदिक मंत्रोचारण के साथ यज्ञ मंडप पूजन, सभी देवी देवताओं का आह्वाहन पूजन, यज्ञ मंडप 11 कुंडिय में वैदिक मंत्रोचारण के साथ आहुति दिया गया। वही शाम में श्रीकृष्ण रासलीला का आयोजन किया गया ओर श्रीकृष्ण राधा रानी गोपियों का रासलीला, सुदर्शन चक्र दर्शन, सुदर्शन चक्र से पुष्प वर्षा ओर भगवान श्रीकृष्ण के माता पिता का विवाह ओर जेल में बंद करने का लीला नाट्य मंचन वृंदावन धाम से आए पुरोहित कलाकारों के टीम ने दिखाया। वही श्रद्धालु यज्ञ मंडप का पूजन, परिक्रमा करने ओर देवी

देवताओं का पूजन दर्शन करके प्रसाद ग्रहण करने ओर रासलीला देखने यज्ञ स्थल पहुंचने लगे है। वही स्वास्थ्य विभाग की टीम भी यज्ञ परिसर में जीवन रक्षक दवाई के साथ नियुक्त किया गया है जो अपनी सेवा दे रहे है। नगर परिषद की ओर से साफ सफाई, भक्तों के शुद्ध पेयजल की व्यवस्था संभाले हुए है।

एसबीआई आरसेटी व जेएएलपीएस पलाश के संयुक्त कॉर्डिनेशन की हुई बैठक

संवाददाता

साहिबगंज : एसबीआई आरसेटी साहिबगंज एवं जेएएलपीएस पलाश के संयुक्त तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण कॉर्डिनेशन बैठक आरसेटी कार्यालय कमे किया गया।बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की गई।इस दौरान अधिकतम प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिलाने में बेहतर प्रदर्शन करने वाले तीन प्रखंडों को सम्मानित किया गया।जिसमें

प्रथम स्थान पर बोरियो द्वितीय स्थान पर राजमहल व तृतीय स्थान पर तालझाड़ी रहा।साथ ही सभी प्रखंडों द्वारा अपने 100 प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति पर प्रसन्नता व्यक्त की गई।बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के वार्षिक लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु त्रैमासिक कैलेंडर भी जारी किया गया,जिसमें ब्यूटी पार्लर,बकरी पालन,एडीपी,मशरूम प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम शामिल हैं।कार्यक्रम में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक सुधीर कुमार,आरसेटी निदेशक प्रदीप कुमार झा,डीपीएम मार्टिन तारिक,डीएम जॉब्स एंड स्किल राजेंद्र कुमार ,आजीविका लिवलीहुड से अनुरुद्ध कुमार,डीएम फाई हरिवंश नारायण मिश्रा सहित नौ प्रखंडों से आए ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक उपस्थित रहे।सभी ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधकों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।कार्यक्रम में आरसेटी के वरीय प्रशिक्षक राजहंस कुमार एवं उपेंद्र गोप,कार्यालय सहायक आकाश कुमार,रंजीत कुमार,चंदन, नीरज,तौफीक और सुरेंद्र भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस ने जनसमस्याओं को लेकर जिला प्रशासन पर दबाव बढ़ा दिया है।पार्टी के जिला अध्यक्ष दिनेश सोरेन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त हेमंत सती से मुलाकात कर 19 सूत्री मांगपत्र सौंपा और शीघ्र समाधान की मांग की साहिबगंज में राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष दिनेश सोरेन की अगुवाई में पार्टी के शिष्टमंडल ने उपायुक्त हेमंत सती से मुलाकात कर विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर 19 सूत्री ज्ञापन सौंपा।इस दौरान पार्टी ने स्पष्ट अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि एक माह के भीतर मांगों का समाधान नहीं किया गया,तो व्यापक स्तर पर जन आंदोलन चलाया जाएगा।शिष्टमंडल में जिला अध्यक्ष अर्जुन कर्मकार समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।ज्ञापन की प्रतिलिपि राज्य और राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों को भी भेजी गई है। जिससे मामले को उच्च स्तर पर उठाया जा सके।ज्ञापन में पतना प्रखंड के कड़ी पहाड़ और चंदोला पहाड़ में कब्रिस्तान की घेराबंदी, कड़ी पहाड़ एवं हरचंदपुर में जाहेर स्थान की सुरक्षा के लिए घेराबंदी,बुढ़ी बस्ती पहाड़ और कड़ी पहाड़ में धनकुडिया भवन निर्माण की मांग प्रमुख रूप से शामिल है।इसके अलावा शमार्पुर,बांसभीटा,मदिया और कौवाखोदी गांव में पोखरों के निर्माण व जीर्णोद्धार,तथा जीर्णोद्धार, तथा डिग्घी,अंबेरी पहाड़,आम डंडा संथाली, उरसा पहाड़, बाकुडी और साबलापुर सहित कई गांवों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण की मांग भी उठाई गई। पार्टी ने भूमि माफियाओं द्वारा गरीबों की जमीन पर हो रहे अवैध कब्जे पर तत्काल रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की। साथ ही कई गांवों में सिंचाई सुविधाओं के अभाव को देखते हुए हैं।पंप उपलब्ध कराने की मांग रखी गई,ताकि किसानों को समय पर पटवन की सुविधा मिल सके।राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस ने साफ संकेत दे दिया है कि यदि प्रशासन ने समय रहते कार्रवाई नहीं की,तो जिले में जन आंदोलन तेज किया जाएगा जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

स्टोन के ऑफिस में प्रबंधन पक्ष एवं झारखंड मजदूर संघ के बीच समझौता

साहिबगंज : सकरीगली रेलवे स्टेशन के सामने विद्यार्थी स्टोन के ऑफिस में प्रबंधन पक्ष व झारखण्ड मजदूर संघ के बीच समझौता जिला अध्यक्ष प्रीतम कुमार पीयूष व केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव की मौजूदगी में मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए कई बिंदुओं पर चर्चा करते हुए समझौता किया गया।जिसमे सभी मजदूरों ने हड़ताल वापस लेते हुए कहा कि न्यूनतम मजदूरी 4100 भुगतान होगी।कामगारों को लेकर लोडिंग की सुविधा को खयाल करते हुए मिट्टी लेवल किया जाएगा,प्रतिवर्ष ₹200 प्रति वेगन बढ़ती होगी पेयजल प्राथमिक स्वास्थ्य की सुविधा और इंश्योरेंस का कार्य करने में अहम भूमिका निभाएंगे। मौके पर इमाम विश्वास, फूल कुमारी देवी, मिथुन कुमार यादव, मुन्ना कुमार यादव, विजय यादव, शिव जतन मंडल, गोपाल उराव, रतन मंडल, मुन्ना यादव, दिलीप चौधरी, अनिल मंडल, राकेश महतो, मिथुन यादव,भोला यादव,संजय रजक,जितेन रजक के आलवे कई मजदूर मौजूद थे।

शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे

संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त हेमंत सती ने जनता दरबार के माध्यम से आमजनों की समस्याएं सुनी। जनता दरबार में जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने अपनी समस्याओं से उपायुक्त महोदय को अवगत कराया। उपायुक्त ने लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी। साथ ही उनके सामाधान को लेकर उन्हें आश्वस्त कराया। संज्ञान में आए हुए शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान करने की बात कही। गौरतलब है कि जनता दरबार के दौरान शिकायत के रूप में आए आवेदन विभिन्न विभागों व योजना से संबंधित और असंबंधित रहे।जनता दरबार में शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनका समाधान करने को लेकर निर्देशित किया। सभी आवेदनों की भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें।

अंडर 20राष्ट्रीय कुश्ती में भाग लेने जिले के दो खिलाड़ी दुर्ग रवाना

साहिबगंज : भारतीय कुश्ती संघ एवं छत्तीसगढ़ राज्य कुश्ती संघ द्वारा 10 से 12 अप्रैल, 2026 तक भिलाई दुर्ग में आयोजित अंडर 20 राष्ट्रीय,पुरुष फ्रीस्टाइल राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खेल विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा संचालित खेलो इंडिया कुश्ती सेंटर, साहेबगंज 02 ट्रेनी खिलाड़ी सोनू कुमार 65 किलो वर्ग एवं राजू कुमार 70 किलो वर्ग फ्री स्टाइल कुश्ती में भाग लेने के लिए देर रात

दुर्ग के लिए रवाना हुए। इनके कोच प्रकाश सिंह बादल, कुश्ती संघ की सचिव नमिता कुमारी समेत जिले के खेल प्रेमियों ने शुभकामना दी।

होम्योपैथी एक सुरक्षित, प्रभावी और सस्ती चिकित्सा पद्धति है : डॉ एसएन प्रसाद

संवाददाता

साहिबगंज : विश्व होम्योपैथी दिवस के पावन अवसर पर पोद्दार क्लीनिक जिरवाबाड़ी में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के जनक डॉ .समुल हहनेमनन की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।कार्यक्रम की शुरूआत सभी उपस्थित चिकित्सकों एवं गणमान्य व्यक्तियों द्वारा डॉ .समुल हहनेमनन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं नमन करते हुए की गई।इस दौरान उपस्थित सभी डॉक्टरों ने उनके सिद्धांतों एवं योगदान को याद करते हुए होम्योपैथी के प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया।इस गरिमामय अवसर पर वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ.के.पी.पांडेय विशेष रूप से उपस्थित रहे।उनके साथ कार्यक्रम में डॉ.एस. एन.प्रसाद,डॉ.उमा कुमारी,डॉ.अशित सिंह,डॉ.अशोक कुमार ठाकुर डॉ.एस. के.सिंह तथा डॉ.अरुण प्रकाश ने भी सहभागिता निभाई।साथ ही इस आयोजन में समाज के सक्रिय सहयोगियों में जितेंद्र कुमार,हर्ष कुमार,रतन लाल मुंडा एवं संजय कुमार की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम अपराह्न साढ़े तीन बजे

आयोजित किया गया,जिसमें होम्योपैथिक के सभी डॉक्टरों की गरिमामय उपस्थिति रही।सभी चिकित्सकों ने एकजुट होकर डॉ . समुल हहनेमनन के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ.एस.एन. प्रसाद ने कहा कि होम्योपैथी एक सुरक्षित,प्रभावी और सस्ती चिकित्सा पद्धति है,जो शरीर की प्राकृतिक रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर रोगों का स्थायी समाधान प्रदान करती है।अंत में सभी उपस्थित लोगों ने होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूकता फैलाने एवं अधिक से अधिक लोगों तक इसके लाभ पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रीमियर लीग: वेस्ट हैम की जीत से टॉटेनहम रेलीगेशन क्षेत्र में, दे जेर्बी को बचाव की उम्मीद

एजेंसी

लंदन : इंग्लैंड की शीर्ष फुटबॉल लीग प्रीमियर लीग में शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में वेस्ट हैम यूनाइटेड ने वूल्वरहैम्प्टन वांडरर्स को 4-0 से हरा दिया। इस नतीजे के बाद टॉटेनहम हॉटस्पर पहली बार इस सत्र में रेलीगेशन क्षेत्र में पहुंच गया है। टॉटेनहम अब वेस्ट हैम से दो अंक पीछे है और उसका अगला मुकाबला रविवार को सुंदरलैंड से होगा।

वेस्ट हैम की ओर से वैलेंटीन कास्टेलानोस ने दूसरे हाफ के मध्य में तीन मिनट के भीतर दो गोल दागे, जबकि हाफ टाइम से ठीक पहले कॉन्स्टैन्टिनोस माव्रोपानोस ने हेडर से टीम को बढ़त दिलाई थी। मैच के अंतिम चरण में कॉर्नर से आए मौके पर एक शानदार वॉली के जरिए चौथा गोल दागा गया। इस हार के साथ वूल्व्स अंक तालिका में सबसे नीचे बने हुए हैं और उनके निचली लीग में जाने की संभावना लगभग तय मानी जा रही है।

टॉटेनहम के नए प्रबंधक रॉबर्टो दे जेर्बी ने कहा कि उनकी टीम को रेलीगेशन से बचने के लिए साहस और आत्मविश्वास के साथ खेलना होगा। उन्होंने खिलाड़ियों से साफ रणनीति के साथ मैदान पर उतरने और बिना ज्यादा दबाव लिए अपना स्वाभाविक खेल दिखाने की अपील की। दे जेर्बी ने कहा कि टीम को लड़ने का जज्बा, साहस और आक्रामकता दिखानी होगी।

दे जेर्बी को पाँच साल का अनुबंध दिया गया है और उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती टीम को रेलीगेशन से बचाना है। उन्होंने कहा कि क्लब की पहचान हमेशा आक्रामक फुटबॉल और गोल करने की मानसिकता से जुड़ी रही है और वे उसी भावना को वापस लाना चाहते हैं।

हाल ही में टॉटेनहम ने अंतरिम कोच इगोर ट्यूडर को हटाया था, जिन्होंने केवल 44 दिन टीम की जिम्मेदारी संभाली। इससे पहले थॉमस फ्रैंक भी सिर्फ आठ महीने तक पद पर रहे थे। दे जेर्बी ने दोनों को अच्छा कोच बताते हुए कहा कि वह अपनी शैली, व्यक्तित्व और जुनून के साथ टीम को सही दिशा देने की कोशिश करेंगे।

ला लीगा: रियल मैड्रिड ने गिरोना के साथ ड्रॉ खेलकर अंक गंवाए, शीर्ष पर बार्सिलोना की बढ़त और मजबूत

एजेंसी

मैड्रिड : स्पेन की शीर्ष फुटबॉल प्रतियोगिता ला लीगा में खिताब की दौड़ और रोमांचक हो गई है। रियल मैड्रिड को गिरोना के खिलाफ 1-1 की बराबरी पर संतोष करना पड़ा, जिससे शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना को अपनी बढ़त और मजबूत करने का मौका मिल गया है।

मुकाबले में पहला गोल दूसरे हाफ के छह मिनट बाद फेडेरिको वाल्वेर्दे ने किया, जिससे रियल को बढ़त मिली। हालांकि यह बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सकी और 62वें मिनट में थोमस लेमार ने शानदार गोल दागकर गिरोना को बराबरी दिला दी।

इस परिणाम के बाद बार्सिलोना 76 अंकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड उससे छह अंक पीछे है और एक मुकाबला अधिक खेल चुका है। अब बार्सिलोना के पास अपनी बढ़त नौ अंकों तक पहुंचाने का शानदार अवसर है। रियल मैड्रिड ने इस मुकाबले में मजबूत टीम उतारी थी, क्योंकि उसे अगले सप्ताह एक अहम मुकाबला खेलना है, जिसमें पिछली हार की भरपाई करना जरूरी होगा। किलियन एमबाप्पे, विनीसियस जूनियर और जूड बेलिंघम जैसे खिलाड़ी मैदान में उतरे, लेकिन टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा।

पहले हाफ में रियल के पास गेंद पर नियंत्रण ज्यादा रहा, लेकिन वह साफ मौके बनाने में नाकाम रहा। गिरोना ने रक्षात्मक रणनीति अपनाई और जवाबी हमलों पर ध्यान दिया। गिरोना के खिलाड़ी अजेद्दीन उनाही का एक जोरदार शॉट भी देखने को मिला, जिसे गोलकीपर आंद्री लुनिन ने शानदार तरीके से रोक लिया।

दूसरे हाफ में मैच में तेजी आई, लेकिन बराबरी के बाद रियल मैड्रिड दबाव में नजर आया। टीम के हमलों में जल्दबाजी और तालमेल की कमी साफ दिखी। गिरोना ने अनुशासित खेल दिखाते हुए रियल को कोई और मौका नहीं दिया। अंतिम सीटी के साथ ही दर्शकों की नाराजगी साफ झलकने लगी। इस ड्रॉ के बाद रियल मैड्रिड की खिताबी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है और अब मुकाबला बार्सिलोना की ओर झुकता नजर आ रहा है।

सीडब्ल्यूजी 2030 के लिए भारत तैयार, खेल मंत्री मांडविया ने कॉमनवेल्थ स्पोर्ट प्रमुख से की अहम बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली : खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कॉमन वेल्थ स्पोर्ट्स के अध्यक्ष डोनाल्ड रुकारे और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर 2030 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी को लेकर भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक के दौरान खेल मंत्री ने कहा कि भारत खेल जगत का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है और कॉमनवेल्थ के 100 वर्ष पूरे होने का यह अवसर यादगार बनाया जाएगा। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल का भारत को मेजबान चुनने के लिए आभार भी व्यक्त किया। मांडविया ने भारत की खेल नीतियों और पहलों पर प्रकाश डालते हुए खेलो इंडिया गेम्स के विस्तार की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके तहत विभिन्न खेलों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसमें महिलाओं के लिए अस्मिता लीग और जनजातीय क्षेत्रों के लिए विशेष

खेल प्रतियोगिताएं भी शामिल हैं। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष रुकारे ने नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि भारत में खेलों को राष्ट्रीय विकास के अहम स्तंभ के रूप में स्थापित किया गया है। बैठक में आयोजन की तैयारियों, समन्वय और समयसीमा पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने भविष्य की कार्ययोजना और प्रमुख लक्ष्यों पर सहमति जताई, ताकि खेलों का सफल आयोजन सुनिश्चित किया जा सके। भारत ने सीडब्ल्यूजी 030 के लिए अपनी जो रूपरेखा प्रस्तुत की, उसमें खिलाड़ियों को केंद्र में रखने, विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार आयोजन पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही, आधुनिक तकनीक के उपयोग से खेलों के संचालन को अधिक प्रभावी बनाने की योजना भी साझा की गई। खेल मंत्री ने अहमदाबाद को मेजबानी के लिए उपयुक्त बताते हुए उसकी मजबूत आधारभूत संरचना, बेहतर कनेक्टिविटी और संस्थागत सहयोग को प्रमुख ताकत बताया। उन्होंने यह भी कहा कि आयोजन के बाद स्थायी खेल ढांचे के निर्माण और जमीनी स्तर पर भागीदारी बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि इसका दीर्घकालिक लाभ देश के खेल परिदृश्य को मिल सके।

आईपीएल 2026 : हसरंगा की जगह लखनऊ में शामिल हुए जॉर्ज लिंडे

लखनऊ : लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के बीच बड़ा बदलाव करते हुए दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर जॉर्ज लिंडे को टीम में शामिल किया है। वह श्रीलंका के स्टार ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा की जगह लेंगे, जो चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। हसरंगा को एलएसजी ने इस सीजन की नीलामी में 2 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन टी२० विश्व कप 2026 के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट लगने के कारण वह आईपीएल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। लखनऊ ने उनकी जगह जॉर्ज लिंडे को ०1 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर अपने साथ जोड़ा है। यह लिंडे का आईपीएल में पहला मौका होगा, जहां वह अपनी ऑलराउंड क्षमता से टीम को मजबूती देने की कोशिश करेंगे। लिंडे बाएं हाथ के बल्लेबाज होने के साथ-साथ स्लो लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स गेंदबाजी करते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वह दक्षिण अफ्रीका के लिए 3 टेस्ट, 4 वनडे और 37 टी20 मुकाबले खेल चुके हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने 400 से अधिक रन बनाए हैं और 35 विकेट भी अपने नाम किए हैं।

83 की उम्र में भी काम ना करने को लेकर परेशान हैं अमिताभ बच्चन, ब्लॉग शेयर कर लिखा-

'काम न करना अजीब लगता है'

अमिताभ बच्चन अक्सर अपने ब्लॉग के जरिए अपने विचार फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने रोज काम करने की आदत और उसकी अहमियत पर खुलकर बात की। अमिताभ बच्चन अपने काम के प्रति समर्पण और अनुशासन के लिए जाने जाते हैं। भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेताओं में उनकी गिनती होती है। छह दशकों से ज्यादा लंबे करियर में उन्होंने कई भाषाओं की फिल्मों में काम किया है और अपने शानदार अभिनय के लिए कई अवॉर्ड भी जीते हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि अगर वह एक दिन भी काम नहीं करते हैं, तो उन्हें यह काफी अजीब और परेशान करने वाला लगता है। अपने लेटेस्ट ब्लॉग में उन्होंने लिखा, 'एक ऐसा दिन जो 'आलसी' जैसा महसूस हुआ... कोई खास वजह नहीं... लेकिन हर दिन काम न करना मुझे अजीब लगता है। जब आप रोज अपने तय शेड्यूल के अनुसार काम नहीं करते, तो जो आदत पहले से बनी होती है, वह टूट जाती है। फिर दिन एक तरह से उलझन भरा लगने लगता है, जबकि नॉर्मल दिनों में सब कुछ सही तरीके से चलता है। उन्होंने आगे लिखा, 'फिर आप सोचते हैं कि आज दिन वैसा क्यों नहीं जा रहा जैसा आप चाहते हैं। अगर हम इस बात को समझ लें, तो अपने आसपास शांति और सुकून बनाए रख सकते हैं। लेकिन कुछ लोगों के साथ ऐसा नहीं हो पाता और यह उनकी चिंता को और बढ़ा देता है।'

कुछ भी कहने का कोई हक नहीं है...

● सोशल मीडिया की नकारात्मकता पर परेश रावल की दो-टूक

सोशल मीडिया पर सेलेब्स को अक्सर ही ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ता है। हाल ही में सोशल मीडिया की नेगेटिविटी को लेकर परेश रावल ने भी अपनी राय रखी है।

परेश रावल बॉलीवुड के एक उम्दा अभिनेता हैं। वह सोशल मीडिया पर भी बेबाकी से अपनी राय रखते हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर मौजूद नेगेटिविटी को लेकर खुलकर बात की है। परेश का मानना है कि उन्हें भी गुस्सा आता है लेकिन वह सोशल मीडिया पर अपना शिष्टाचार नहीं भूलते हैं।

परेश रावल बोले किसी की इमेज खराब नहीं करनी चाहिए

बातचीत में परेश रावल ने कहा, 'मैं खुद को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहा हूं। मेरी राय में सोशल मीडिया एक पीकदान जैसा हो गया। यहां लोग जो चाहे कह देते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। नकारात्मकता नहीं फैलनी चाहिए। आपको किसी के बारे में कुछ भी कहने का कोई हक नहीं है। भले ही आपको पक्का यकीन हो कि वह इंसान गलत है, फिर भी आपको उसकी आलोचना करने, उसे नीचा दिखाने या उसकी इमेज खराब करने का कोई हक नहीं है। लेकिन मैं ये सारी बातें कह रहा हूं और खुद भी सुन रहा हूं। मैंने खुद भी बहुत कम किया है।'

ऑनलाइन गाली-गलौज नहीं करते हैं परेश रावल

परेश रावल ने यह भी माना कि ऑनलाइन डिस्कशन पर रिएक्शन देते समय उन्हें कभी-कभी गुस्सा आ जाता है। फिर भी वह एक खास स्तर का शिष्टाचार बनाए रखने की पूरी कोशिश करते हैं। परेश रावल कहते हैं, 'कभी-कभी जब मुझे गुस्सा आता है, तो आ जाता है। लेकिन फिर भी मैं एक सीमा में रहता हूं। मैं कभी गाली-गलौज नहीं करता। सोशल मीडिया सकारात्मकता फैलाने का एक अच्छा जरिया है। अगर कहीं नेगेटिविटी हो तो उससे दूर रहो।'

इस फिल्म में नजर आएंगे परेश रावल

परेश रावल के करियर फ्रंट की बात करें तो जल्द ही उनकी एक फिल्म 'भूत बंगला' रिलीज होगी। इस फिल्म को प्रियदर्शन ने निर्देशित किया है। अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, राजपाल यादव जैसे एक्टर्स इस फिल्म का हिस्सा हैं।

'15 साल की उम्र में...

जान्हवी ने शेयर किया दिल दहला देने वाला किस्सा

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने हाल ही में एक दिल दहला देने वाला किस्सा शेयर किया है, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। उन्होंने अपने स्कूल के दिनों में हुई एक बात शेयर की, जो उनके लिए काफी डिस्टर्बिंग था। इंटरव्यू में जान्हवी कपूर ने खुलासा किया कि जब वे 15 साल की थीं, तब उन्होंने अपने कुछ मॉर्फ्ड फोटोज अश्लील साइट पर देखे थे। अब चूंकि वो इस समय काफी छोटी थीं, तो उनके लिए ये काफी डिस्टर्बिंग था। उस समय वे स्कूल में थी, तो उन्हें लगा कि ये सब ऑनलाइन होने का खतरा हो सकती हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि आज भी उनकी एआई जनरेटेड फोटोज ऑनलाइन वायरल होते रहते हैं, जो उन्हें काफी परेशान करती हैं।

एआई फोटोज पर क्या बोलीं एक्ट्रेस?

एआई फोटोज को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि आज भी उन्हें उनकी कोई एआई फोटो ऑनलाइन देखने को मिल जाती हैं। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसी तस्वीरें दिखती हैं, जिनमें उन्हें ऐसे कपड़ों में या ऐसे पोज में दिखाया जाता है, जो उन्होंने कभी किया ही नहीं। उन्होंने कहा, 'मैं बिल्कुल भी सुकून में नहीं हूं। इंटरनेट पर मेरी ऐसी तस्वीरें हैं, जिन्हें कुछ ऑफिशियल न्यूज पेज भी शेयर कर चुके हैं, लेकिन वो पूरी तरह एआई से बनी हैं। मैंने कभी ऐसे कपड़े नहीं पहने और ना ही वैसे फोटो खिंचवाई हैं।

बॉक्स ऑफिस पर बंपर सफलता के बाद 'धुरंधर' ने अवॉर्ड में भी मारी बाजी

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' रिलीज के बाद से ही लगातार बॉक्स ऑफिस और फैंस के दिलों पर राज कर रहा है। फिल्म का पहला पार्ट भी दर्शकों को खूब पसंद आया था। अब फिल्म के पहले पार्ट यानी 'धुरंधर' ने अवॉर्ड्स पर भी अपना कब्जा कर लिया है। फिल्म ने एक साथ अपने नाम 13 अवॉर्ड किए हैं। फिल्म ने अलग-अलग श्रेणियों में 13 अवॉर्ड अपने नाम किए। फिल्म की धूम इस कदर रही कि लगभग हर श्रेणी में फिल्म नॉमिनेटेड थी और सबसे अहम अवॉर्ड्स अपने नाम किए। चेतक स्क्रीन अवार्ड्स 2026 में 'धुरंधर' का जलवा देखने को मिला, जहां बेस्ट एक्टर से लेकर बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड भी 'धुरंधर' ने जीत लिया है। आदित्य धर के आधिकारिक बी62 स्टूडियो ने फिल्म को मिले अवॉर्ड्स की लिस्ट जारी की है और पूरी टीम को इसका श्रेय भी दिया है। यहां जानते हैं कि पहले फिल्म के खाते में कौन-कौन सी कैटेगरी के अवॉर्ड आए हैं। धुरंधर के लिए रणवीर सिंह को बेस्ट एक्टर के अवॉर्ड से नवाजा गया है, जबकि आदित्य धर ने बेस्ट डायरेक्टर और बेस्ट डायलॉग राइटर का खिताब अपने नाम किया है।

अक्षय खन्ना को बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड मिला है। वहीं, विजय गांगुली को बेस्ट कोरियोग्राफर, शाश्वत सचदेव को बेस्ट बैकग्राउंड स्कोर, शिवकुमार. वी को बेस्ट एडिटर, विकास नौलखा को बेस्ट सिनेमैटोग्राफर, धुति रंजन साहो और उनकी टीम को बेस्ट स्पेशल इफेक्ट्स, बिश्वजीत चटर्जी को बेस्ट साउंड डिजाइन, स्मृति चौहान को बेस्ट कॉस्ट्यूम डिजाइनर और प्रीतिशील सिंह डिसूजा को बेस्ट हेयरस्टाइल और मेकअप का खिताब मिला है।

क्या उर्फी पर किया गया काला जादू?

इंडस्ट्री को लेकर किए सनसनीखेज खुलासे; बोलीं- 'मेरे साथ जो हो रहा है...'

अपने अटपटे फैशन सेंस के लिए मशहूर इंफ्लुएंसर, एक्ट्रेस उर्फी जावेद ने हालिया एक इंटरव्यू में काला जादू को लेकर बात की। इंडस्ट्री में जलन की भावना को लेकर बेबाकी से अपनी बात रखी है। उर्फी जावेद का फैशन सेंस ही अटपटा नहीं है, कई बार वह अपनी बातों और हरकतों के कारण कंट्रोवर्सी से भी घिरी रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने काला जादू, इंडस्ट्री में नेपोटिज्म और जलन जैसी भावनाओं को लेकर खुलकर बातचीत की है।

उर्फी का चल रहा है बुरा वक्त

हाल ही में फरीदून शहरयार के यूट्यूब चैनल पर उर्फी जावेद ने एक इंटरव्यू दिया। इसमें वह कहती हैं कि इन दिनों उनका वक्त खराब चल रहा है। शायद इसकी वजह काला जादू भी हो सकता है। वह कहती हैं, 'मैं अभी अटकी हूं। मुझे लगता है कि किसी ने मुझ पर काला जादू कर दिया है। मेरे हाथ से शो निकल रहे हैं, ब्रॉन्ड डील भी जा रही हैं। सच में इन दिनों मेरा वक्त काफी बुरा चल रहा है।'

ईवीएम-वीवीपैट के दूसरे रेंडमाइजेशन से पारदर्शिता को मिली मजबूती

एजेंसी

आसनसोल : विधानसभा आम चुनाव 2026 की तैयारियों के तहत मतदान प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाने की दिशा में शुक्रवार को एक अहम कदम उठाया गया। जिले में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपैट (वीवीपैट) मशीनों के आवंटन के लिए दूसरी बार याद्दच्छिकीकरण (रेंडमाइजेशन) की प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। यह पूरी प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विकसित ईवीएम मैनेजमेंट सिस्टम 2.0 सॉफ्टवेयर के माध्यम से की गई,

जिससे किसी भी प्रकार की मानवीय हस्तक्षेप की संभावना न्यूनतम हो और निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके। जिलाधिकारी एस. पोन्नमबलम की अध्यक्षता में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी, चुनाव पदाधिकारी, विभिन्न राजनीतिक दलों के उम्मीदवार तथा उनके अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रहे। पूरी प्रक्रिया कड़ी निगरानी और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई, ताकि किसी भी स्तर पर संदेह की गुंजाइश न रहे। बैठक के दौरान कंप्यूटर आधारित प्रणाली के जरिए सभी मतदान केंद्रों के लिए ईवीएम और वीवीपैट मशीनों का याद्दच्छिक चयन किया गया।

इसके बाद प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए बूथवार मशीनों की सूची तैयार कर उम्मीदवारों और उनके प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई। साथ ही, रिजर्व में रखी गई अतिरिक्त मशीनों की जानकारी भी साझा की गई, जिससे मतदान के दिन किसी तकनीकी समस्या की स्थिति में तुरंत विकल्प उपलब्ध हो सके। जिले की नौ विधानसभा सीटों के कुल 2504 मतदान केंद्रों के लिए ईवीएम और वीवीपैट मशीनों का आवंटन किया गया। यह सुनिश्चित किया गया कि हर बूथ पर निर्धारित मानकों के अनुसार मशीनें उपलब्ध रहें और मतदान प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया कि जिन मशीनों का आवंटन इस रेंडमाइजेशन में किया गया है, उनका उपयोग सीधे मतदान के दिन संबंधित मतदान केंद्रों पर किया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना है, ताकि मतदाता बिना किसी भय या संदेह के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। बैठक में मौजूद विभिन्न दलों के उम्मीदवारों और उनके प्रतिनिधियों ने पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बताते हुए संतोष व्यक्त किया। प्रशासन की ओर से भी आश्वासन दिया गया कि आगे की सभी चुनावी प्रक्रियाएं भी इसी तरह निष्पक्ष और नियमों के अनुरूप संपन्न कराई जाएंगी। ईवीएम और वीवीपैट मशीनों के इस दूसरे रेंडमाइजेशन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रशासन चुनाव को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इससे मतदाताओं का विश्वास और भी मजबूत होने की उम्मीद है।

एसबीआई बैंक की शाखा में आग लगी

जौनपुर : उत्तर प्रदेश के जौनपुर में जंघई बाजार में शनिवार सुबह करीब पांच बजे शॉर्ट सर्किट के कारण स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की शाखा में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और बैंक में रखा फर्नीचर व कागजात अन्य उपकरण पूरी तरह जलकर राख हो गए। घटना के समय बैंक के ऊपर रहने वाले मकान मालिक धर्मेंद्र जायसवाल ने धुआं उठता देख सतर्कता दिखाई और परिवार सहित तुरंत बाहर निकल गए। उनकी सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही बैंक मैनेजर जगदीश सिंह, जो अवकाश पर थे, ने तत्काल स्टॉफ को मौके पर भेजा और पुलिस व दमकल विभाग को सूचित किया। हालांकि प्रयागराज से दमकल की गाड़ियों को पहुंचने में करीब एक घंटे का समय लग गया, तब तक आग पूरी तरह बैंक को अपनी चपेट में ले चुकी थी। फिलहाल आग से लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। वही, इस मामले में जानकारी लेने पर जौनपुर के अपर पुलिस अधीक्षक (देहात) आतिश कुमार सिंह ने बताया कि आग लगने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने फायर ब्रिडेग की टीम के साथ मिलकर आग पर काबू पाया है। घटना की जांच पड़ताल किया जा रहा है।बैंक का हिस्सा प्रयागराज के सराय ममरेज थाना अंतर्गत आता है।

हिमाचल में अप्रैल में भी ठंड, पहाड़ों पर हल्की बर्फबारी, पांच जिलों में अलर्ट

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में अप्रैल के महीने में भी मौसम लगातार करवट बदल रहा है। प्रदेश के अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी हो रही है, जबकि शिमला और मनाली सहित कई क्षेत्रों में बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने आज पांच जिलों शिमला, कुल्लू, कांगड़ा, चम्बा और मंडी में आंधी सहित खराब मौसम का अलर्ट जारी किया है। कल रविवार को भी मौसम खराब रहने की संभावना तो है, लेकिन इसके लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। वहीं 13 से 15 अप्रैल तक मौसम साफ रहने का अनुमान है, जबकि 16 और 17 अप्रैल को फिर से मौसम खराब होने के आसार हैं और 16 अप्रैल को अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के जनजातीय जिलों लाहौल-स्पीति, किन्नौर और चंबा के पांगी-भरमौर की पर्वत श्रृंखलाओं में हल्की बर्फबारी हो रही है। अन्य कई स्थानों पर बादलों का डेरा बना हुआ है। हमीरपुर में आज सुबह हल्की वर्षा

भी हुई। निचले क्षेत्रों में अभी तक गर्मी का असर देखने को नहीं मिल रहा है। इससे लोगों को राहत तो है, लेकिन अप्रैल में ठंड के बने रहने से लोग हैरान हैं। मौसम विभाग के अनुसार राज्य का औसतन न्यूनतम तापमान सामान्य से करीब 3 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चल रहा है। शनिवार को शिमला का न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री सेल्सियस, सुंदरनगर 11.9 डिग्री, भुंतर 9.6 डिग्री, कल्पा 2.4 डिग्री, ऊना 12.6 डिग्री, नाहन 10.3 डिग्री, पालमपुर 11.0 डिग्री, सोलन 10.5 डिग्री, मनाली 5.2 डिग्री, कांगड़ा 13.6 डिग्री, मंडी 13.3 डिग्री, बिलासपुर 14.0 डिग्री, जुब्बड़हट्टी 11.4 डिग्री, कुकुमसेरी 0.9 डिग्री, भरथीं 11.8 डिग्री, पांवटा साहिब 15.0 डिग्री, सराहन 7.5 डिग्री, देहरा गोपीपुर 14.0 डिग्री और ताबो का न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अप्रैल महीने में अब तक प्रदेश में सामान्य से कहीं अधिक वर्षा रिकॉर्ड की गई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार 10 अप्रैल तक प्रदेश में सामान्य से लगभग 142 प्रतिशत अधिक वर्षा हो चुकी है। लगातार बदलते मौसम और तापमान में गिरावट के कारण लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है। मौसम के इन तेवरों का असर खेती और बागवानी पर भी पड़ने लगा है। किसान और बागवान बेमौसमी वर्षा और ओलावृष्टि की आशंका से चिंतित हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इसी तरह मौसम खराब रहा तो गेहूं की फसल के साथ-साथ सेब और अन्य फलदार पौधों को भी नुकसान हो सकता है।

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री 12-14 अप्रैल तक पेरिस और बर्लिन का करेंगे दौरा

एजेंसी

नई दिल्ली : विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री 12-14 अप्रैल तक पेरिस (फ्रांस) और बर्लिन (जर्मनी) का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पेरिस में विदेश सचिव, फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय के महासचिव मार्टिन ब्रिएन्स के साथ मिलकर भारत-फ्रांस विदेश कार्यालय परामर्श की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान वे रक्षा, नागरिक परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, साइबर और डिजिटल, एआई, नवाचार, तथा लोगों के बीच आपसी मेलजोल और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने वाली पहलों सहित कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा वे हाल के वैश्विक और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर भी बात करेंगे। दूसरी ओर बर्लिन में विदेश सचिव जर्मन विदेश सचिव डॉ. गेजा एंड्रियास वॉन गेयर के साथ मिलकर भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श की सह-अध्यक्षता करेंगे। इन चचाओं में द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्र शामिल होंगे, जिनमें व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, विकास सहयोग, शिक्षा और लोगों के बीच आपसी संबंध, तथा आपसी हित के वैश्विक और क्षेत्रीय मामले शामिल हैं। विदेश सचिव की इसके अलावा दोनों जगह अन्य गणमान्य व्यक्तियों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से भी मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली में साइबर ठगी का भंडाफोड़, 14 आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली : दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस की साइबर थाना पुलिस ने साइबर ठगी गिरोह का पदार्फाश करते हुए 14 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह म्यूल बैंक खातों के जरिए लोगों से ठगी कर रहा था और गेमिंग ऐप के माध्यम से रकम को इधर-उधर कर उसका स्रोत छिपा रहा था। पुलिस ने आरोपितों के पास से 79 हजार रुपये नकद, 28 मोबाइल फोन, 17 पासबुक, तीन लैपटॉप और 23 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। दक्षिण-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने शनिवार को बताया कि, दक्षिण-पश्चिम जिले में सक्रिय संदिग्ध बैंक खातों के विश्लेषण के दौरान इस संगठित गिरोह का खुलासा हुआ। जांच में पाया गया कि आरोपित फर्जी निवेश योजनाओं, पार्ट-टाइम जॉब ऑफर और अन्य ऑनलाइन स्कैम के जरिए लोगों को निशाना बनाते थे। ठगी की रकम को म्यूल खातों में ट्रांसफर कर उसे कई स्तरों पर घुमाया जाता था, जिससे उसकी ट्रैकिंग बेहद कठिन हो जाती थी। उन्होंने बताया कि गिरोह के सदस्य सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों को झांसे में लेते थे और उन्हें कमीशन का लालच देकर उनके बैंक खाते, सिम कार्ड और एटीएम कार्ड हासिल कर लेते थे। इसके बाद इन्हीं खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी के पैसों को निकालने और ट्रांसफर करने में किया जाता था।

मामले की जांच के लिए इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी विश्लेषण, वित्तीय लेनदेन की जांच और फील्ड सर्विलांस के जरिए सबसे पहले मोहम्मद फैज को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपने चचेरे भाई मोहम्मद फहाद का नाम बताया, जिसे शाहीन बाग इलाके से पकड़ा गया। आगे की जांच में सुवेब रब्बानी, सतेंद्र राठौर, शनी पाल और प्रीतम कुमार सहित कई अन्य आरोपितों की पहचान हुई। पुलिस ने नोएडा, फरीदाबाद और गाजियाबाद में छापेमारी कर इन सभी को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान अभिषेक मिश्रा और अभिषेक सिंह की भूमिका भी सामने आई, जो बड़े स्तर पर म्यूल खातों की सप्लाई कर रहे थे। जांच के दौरान लक्ष्मी नगर स्थित एक कॉल सेंटर का भी भंडाफोड़ हुआ, जहां छह आरोपित ऑनलाइन बेटिंग ऐप के नाम पर ऑपरेशन चला रहे थे। यहां से पुलिस ने तीन लैपटॉप, 19 मोबाइल फोन, 17 पासबुक, 23 एटीएम कार्ड, नौ सिम कार्ड और 79 हजार रुपये नकद बरामद किए।

आसनसोल में ममता बनर्जी की जनसभा 12 अप्रैल को, तैयारी अंतिम चरण में

एजेंसी

आसनसोल : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर पूरे राज्य में राजनीतिक सरगर्मी चरम पर है और इसी क्रम में पश्चिम बर्दवान जिले में भी चुनावी माहौल पूरी तरह गरमा गया है। जिले की नौ विधानसभा सीटों पर तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों के समर्थन में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की एक बड़ी जनसभा आगामी 12 अप्रैल को आयोजित होने जा रही है। यह सभा आसनसोल केएसटीपी क्षेत्र स्थित गोविंद नगर फुटबॉल मैदान में होगी, जहां तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी हैं। सभा स्थल को लेकर प्रशासन और पार्टी कार्यकर्ता पूरी तरह सक्रिय हैं। मैदान में मंच निर्माण से लेकर बैरिकेडिंग, बैठने की व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सभा स्थल के सामने विशेष रूप से सेलिब्रेशन जोन का निर्माण भी किया जा रहा है, जिससे कार्यक्रम को और व्यवस्थित एवं आकर्षक

बनाया जा सके। तैयारियों का जायजा लेने के लिए आसनसोल उत्तर विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार मलय घटक भी मौके पर पहुंचे और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस संबंध में आसनसोल नगर निगम के उपमेयर वसीम उल हक ने बताया कि 12 अप्रैल को गोविंद नगर फुटबॉल मैदान में होने वाली यह सभा न केवल आसनसोल उत्तर बल्कि जिले की अन्य सीटों के उम्मीदवारों के समर्थन में भी आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस जनसभा का उद्देश्य राज्य में एक बार फिर से ममता बनर्जी के नेतृत्व को मजबूत करना और उन्हें चौथी बार मुख्यमंत्री बनाने के लिए जनसमर्थन जुटाना है।

वहीं पार्षद श्रावणी मंडल ने कहा कि राज्य की लोकप्रिय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं और आम जनता में भारी उत्साह है। उन्होंने बताया कि 12 अप्रैल को आसनसोल की धरती पर मुख्यमंत्री का आगमन एक बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है और गोविंद नगर मैदान में होने वाली यह सभा आसनसोल उत्तर विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार मलय घटक के समर्थन में एक महत्वपूर्ण जनसमूह को आकर्षित करेगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज रायसेन में राष्ट्रीय उन्नत कृषि महोत्सव का करेंगे शुभारंभ

मेले के माध्यम से खाद्य सुरक्षा, किसानों की आय बढ़ाने और पोष । सुरक्षा पर रहेगा फोकस

एजेंसी

भोपाल : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज शनिवार को मध्य प्रदेश के प्रवास पर रहेंगे। वे यहां रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान में 11 अप्रैल से 13 अप्रैल तक आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के उन्नत कृषि महोत्सव प्रदर्शनी सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी अनुभा सिंह ने बताया कि इस महोत्सव में अनेक मंत्रीगण, केंद्रीय मंत्रालय के सचिव सहित अन्य अधिकारी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के डीजी और देशभर के शीर्ष कृषि वैज्ञानिक भाग लेंगे। उन्नत कृषि महोत्सव के दौरान कुल 20 विषय आधारित सत्र आयोजित किए जाएँगे, जिनके लिए चार अलग-अलग सेमिनार हॉल बनाए गए हैं। इन सत्रों में प्रमुख रूप से निम्न विषय शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज प्रातः 11 बजे भोपाल से प्रस्थान कर प्रातः 11.25 बजे रायसेन स्थित दशहरा मैदान पहुचेंगे तथा यहां प्रातः 11.30 बजे से दोपहर 01.40 बजे तक उन्नत कृषि महोत्सव के शुभारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इसके उपरांत रक्षा मंत्री सिंह दोपहर 01.45 बजे

रायसेन से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि इस उन्नत कृषि महोत्सव में इंटरैक्टिव प्रशिक्षण होंगे, जिनका उद्देश्य है कि किसान बारीकियों को समझकर अपनी खेती में लागू कर सकें। किसानों को सिर्फ सुनाने की बजाय दिखाकर सिखाने के लिए महोत्सव में कई विषयों पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन रखे गए हैं। कृषि मशीनीकरण के तहत रीपर, पावर वीडर, स्प्रेयर, सीडर, बेलर, रोटावेटर और कृषि ड्रोन का प्रदर्शन होगा। माइक्रो इरिगेशन और प्रिसिजन फार्मिंग के अंतर्गत फर्टिगेशन, ऑटोमेशन, सोलर पंपिंग और इंटीग्रेटेड इरिगेशन सिस्टम दिखाए जाएँगे। हॉर्टिकल्चर में पॉली हाउस, ग्रीन हाउस, मोबाइल कोल्ड स्टोरेज, नर्सरी, मधुमक्खी पालन और ग्राफ्टिंग की तकनीक का व्यावहारिक प्रदर्शन होगा। पशुपालन और मत्स्य पालन के लिए भी जीवंत मॉडल तैयार किए गए हैं, ताकि किसान देख सकें कि एक हेक्टेयर में इंटीग्रेटेड फार्मिंग की कितनी संभावनाएँ हैं। प्राकृतिक खेती की बीज आवरण, घनजीव आवरण जैसी प्रक्रियाएँ भी लाइव दिखाकर समझाई जाएँगी। महोत्सव के दौरान फसल कटाई के बाद का प्रबंधन (पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट), कृषि क्षेत्र में एआई समाधान और आधुनिक तकनीक का उपयोग, कृषि मशीनीकरण के माध्यम से आय में वृद्धि, दलहन में उत्पादकता वृद्धि और क्षेत्र विस्तार, हॉर्टिकल्चर और उच्च मूल्य की फसलों के अवसर, इंटीग्रेटेड कृषि द अनाज, फल, सब्जियाँ, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मछली पालन और कृषि वानिकी, प्राकृतिक खेती और वैज्ञानिक खेती के समन्वित मॉडल। हर सत्र में चार विशेषज्ञद कृषि वैज्ञानिक, कृषि विशेषज्ञ, उन्नत किसान और अधिकारी पहले प्रेजेंटेशन देंगे, उसके बाद किसानों के सवालों के जवाब देंगे।

न्यूज IN ब्रीफ

मध्य प्रदेश में बढ़ने लगी गर्मी, कई शहरों में 5 डिग्री तक उछला पारा, नर्मदापुरम सबसे गर्म

भोपाल : मध्य प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर थमते ही गर्मी ने फिर से तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। शुक्रवार को प्रदेश के अधिकांश शहरों में दिन के तापमान में 1 से 5 .4 डिग्री तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर में पारे में खासा इजाफा देखने को मिला, वहीं भोपाल और रतलाम भी इससे अछूते नहीं रहे। शनिवार को तापमान में और वृद्धि होने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, 15 अप्रैल से एक नया सिस्टम सक्रिय होगा, लेकिन इसका असर कमजोर रहेगा। ऐसे में प्रदेश में तेज गर्मी का दौर जारी रहने की संभावना है। तापमान की बात करें तो नर्मदापुरम प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 39 .3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रतलाम में 38 .6 डिग्री और खरगोन में 38 डिग्री तापमान रहा। इसके अलावा धार, खंडवा, नरसिंहपुर और खजुराहो में भी पारा 36 डिग्री या उससे ऊपर पहुंच गया। प्रदेश के प्रमुख शहरों में उज्जैन सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 35 .5 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल और जबलपुर में 34 .6 डिग्री, इंदौर में 35 डिग्री और ग्वालियर में 33 .4 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। गर्मी के बढ़ते असर को देखते हुए मौसम विभाग ने एडवायजरी जारी की है। लोगों को दिनभर पर्याप्त पानी पीने, शरीर को हाइड्रेट रखने और दोपहर की तेज धूप से बचने की सलाह दी गई है। साथ ही हल्के और सूती कपड़े पहनने तथा बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने को कहा गया है। गौरतलब है कि इस बार अप्रैल की शुरुआत में तेज गर्मी की बजाय आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का असर देखने को मिला। 1 से 9 अप्रैल के बीच प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम बदला रहा। इस दौरान ग्वालियर में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई। 15 से ज्यादा जिलों में ओले गिरे और करीब 45 जिलों में बारिश हुई। मौसम विभाग का कहना है कि जैसे सर्दी के लिए दिसंबर-जनवरी और बारिश के लिए जुलाई-अगस्त अहम होते हैं, वैसे ही गर्मी के लिहाज से अप्रैल और मई सबसे प्रमुख महीने हैं। खासकर अप्रैल के दूसरे पखवाड़े से तेज गर्मी का असर बढ़ने लगता है।

उत्तर बंगाल के जंगली क्षेत्र में सेंट्रल फोर्स के साथ वनकर्मी भी करेंगे चुनावी ड्यूटी, जानवरों के हमले रोकने के लिए विशेष इंतजाम

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी विधानसभा क्षेत्र में मतदान सिर्फ लोकतांत्रिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि खतरे के बीच साहस की परीक्षा बन जाता है। कई बूथ ऐसे इलाकों में स्थित हैं, जहां चारों ओर घने जंगल हैं और जंगली जानवरों का लगातार खतरा बना रहता है। कर्सियांग और महानंदा वन्यजीव अभयारण्य के वन क्षेत्रों से घिरे इन इलाकों में हाथियों के झुंड, तेंदुए, जंगली सूअर और विषैले सांपों की मौजूदगी आम बात है। इसके बावजूद मतदाताओं को मतदान के लिए इन खतरनाक रास्तों से गुजरना पड़ता है। स्थिति को देखते हुए वन विभाग ने व्यापक सुरक्षा योजना तैयार की है। मतदान से एक दिन पहले रात से ही जंगल से सटे सभी मतदान केंद्रों और गांवों में वनकर्मियों की निगरानी शुरू हो जाएगी। 24 घंटे के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल तैयार रखा जाएगा, जो किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई करेगा।वन विभाग ने संयुक्त वन प्रबंधन समितियों को भी सतर्क कर दिया है, ताकि यदि किसी भी गांव या मतदान केंद्र के आसपास जंगली जानवरों की गतिविधि दिखे, तो तुरंत सूचना दी जा सके। जंगली जानवरों को दूर रखने के लिए आवश्यक संसाधन भी पहले ही उपलब्ध करा दिए गए हैं। कुछ संवेदनशील मतदान केंद्रों पर वनकर्मियों के साथ केंद्रीय सुरक्षा बलों की भी तैनाती की जाएगी। वन विभाग के अधिकारी राहुलदेव मुखोपाध्याय ने बताया कि जंगल में जंगली जानवरों की मौजूदगी स्वाभाविक है और उन्हें हटाया नहीं जा सकता। इसलिए कोशिश की जाएगी कि मतदान के दिन उन्हें घने जंगल के भीतर ही सीमित रखा जाए। उन्होंने कहा कि गश्ती वाहन, नियंत्रण कक्ष और विशेष टीमों के जरिए पूरी निगरानी की जाएगी, ताकि मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। गौरतलब है कि 23 अप्रैल को उत्तर बंगाल समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में पहले चरण का मतदान होना है। ऐसे में नक्सलबाड़ी, बागडोगरा और सुकना जैसे इलाकों में वन विभाग ने हाई अलर्ट जारी किया है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके। बेंगडुबी, तिरिहाना, अड़द-तराई, किरणचंद्र, बेलगाछी, लोहागढ़ और बामनडांगी जैसे क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है, ताकि कोई भी जंगली जानवर जंगल से बाहर न आ सके और मतदाता सुरक्षित रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

मुख्यमंत्री साय आज रायपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज शनिवार को सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित एक अहम बैठक में शामिल होंगे। बैठक प्रातः 11:00 बजे प्रारंभ होगी, जिसमें राज्य से जुड़े विभिन्न अहम विषयों पर चर्चा की जाएगी। बैठक उपरांत मुख्यमंत्री भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय प्रस्थान करेंगे, जहां वे दोपहर लगभग 12:00 बजे महान समाज सुधारक ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय, ज्योतिबा फुले के सामाजिक योगदानों को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर प्रकाश डालेंगे तथा समाज में समानता और शिक्षा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री दोपहर लगभग 1:00 बजे पुनः मुख्यमंत्री निवास लौटेंगे।

सागर में फोरलेन किनारे बोरे में मिला अज्ञात शव, हत्या की आशंका

सागर: मध्य प्रदेश के सागर जिले के करापुर क्षेत्र में शनिवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब फोरलेन मार्ग किनारे एक बंद बोरे में अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हत्या की आशंका जताई जा रही है। दरअसल करापुर फोरलेन पर स्थित राजा ढाबा के सामने एक वेयरहाउस के पास संदिग्ध हालत में पड़े एक बोरे ने स्थानीय लोगों का ध्यान खींचा। बोरे से तेज दुर्गंध आ रही थी, जिससे लोगों को अनहोनी की आशंका हुई। जब स्थानीय लोगों ने पास जाकर बोरे की जांच की, तो बोरे के भीतर एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा हुआ था। यह दृश्य देखते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया और कुछ ही समय में बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। घटना की सूचना तुरंत करापुर पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुँची और इलाके को घेराबंदी कर अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने सावधानीपूर्वक बोरे को खुलवाकर शव को बाहर निकाला और पंचनामा कार्रवाई शुरू की। प्रारंभिक जांच में यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। जिस तरह से शव को बोरे में बंद कर सुनसान स्थान पर फेंका गया है, उससे यह अंदेशा जताया जा रहा है कि हत्या कहीं और की गई और शव को पहचान छिपाने के उद्देश्य से यहां लाकर ठिकाने लगाया गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को भी मौके पर बुलाया है। फॉरेंसिक टीम द्वारा घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं, जिससे घटना के पीछे की सच्चाई सामने आ सके। इसके साथ ही पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है। विशेष रूप से राजा ढाबा और वेयरहाउस के आसपास लगे कैमरों की जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि संदिग्ध बोरा वहां कब और किसके द्वारा फेंका गया। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस द्वारा आसपास के थानों में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी खंगाली जा रही है, ताकि मृतक की शिनाख्त हो सके। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। वहीं, इस संबंध में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा।

न्यूज IN ब्रीफ

रोलिंग स्टोन एकेडमी में मनाया गया पीला दिवस

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर के रिटायर्ड कॉलोनी स्थित प्री प्राइमरी स्कूल रोलिंग स्टोन एकेडमी में पीला दिवस मनाया गया पीला दिवस का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मक बढ़ाना ,रंगों की पहचान करना और सीखने की प्रक्रिया को मजेदार बनाना होता है। शिक्षिकाओं के द्वारा पीले रंग के गुब्बारों फूलों से सजा कर बच्चों को अपनी और किया गया आकर्षित। मौके पर रोलिंग स्टोन एकेडमी की प्रधान अध्यापिका एवं शिक्षिकाएं मौजूद रही।

पलामू सांसद ने केंद्रीय मंत्री से की मुलाकात

मेदिनीनगर : पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रहलाद जोशी से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने झारखंड राज्य, विशेषकर पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत पलामू एवं गढ़वा जिलों के किसानों से संबंधित धान अधिप्राप्ति एवं लंबित भुगतान के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

श्री राम ने कहा कि खरीफ विपणन मौसम 2025-26 के अंतर्गत धान अधिप्राप्ति की निर्धारित अवधि 31 मार्च 2026 तक थी। राज्य सरकार की लापरवाही के कारण अभी भी कई किसानों के धान की खरीद नहीं हो पायी है। साथ ही, जिन किसानों से धान की खरीद की गई है, उन्हें भी अब तक भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है। किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उन्होंने माननीय मंत्री जी से धान अधिप्राप्ति की अवधि को 30 अप्रैल 2026 तक बढ़ाने का अनुरोध किया, ताकि अधिक से अधिक छूटे हुए किसानों से धान की खरीद सुनिश्चित की जा सके और उन्हें उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके। इससे अधिप्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य को भी पूरा करने में सहायता मिलेगी। सांसद श्री राम ने बताया कि मंत्री ने सकारात्मक आश्वासन दिया है। मुझे उम्मीद है कि धान अधिप्राप्ति की अवधि का विस्तार होगा।

'निक्षय वाहन' को सिविल सर्जन ने किया रवाना

मेदिनीनगर: टीबी उन्मूलन की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए आज सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार श्रीवास्तव ने जिला यक्ष्मा पदाधिकारी के साथ 'निक्षय वाहन' को हरी झंडी दिखाकर पलामू जिले के सुदूरवर्ती इलाके के लिए रवाना किया।

इस निक्षय वाहन आधुनिक तकनीकी युक्त हैंड-हेल्ड एक्स-रे (मशीन की सुविधा उपलब्ध है, जिससे अब दूर-दराज के गांवों में घर बैठे ही मरीजों के फेफड़ों की जांच की जा सकेगी। इस वाहन का मुख्य उद्देश्य टीबी के संभावित मरीजों की जल्द से जल्द पहचान करना और उन्हें तुरंत इलाज से जोड़ना है, ताकि संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ा जा सके।

अधूरे फ्लाईओवर पर रील बनाना पड़ा भारी, 15 वर्षीय अमन की दर्दनाक मौत

मेदिनीनगर : मेदिनीनगर के चियांकी स्थित नेशनल हाईवे-39 के अधूरे फ्लाईओवर पर शुक्रवार रात 15 वर्षीय अमन उरांव की दर्दनाक मौत हो गई। वह दोस्तों के साथ जन्मदिन मनाने गया था, जहां रील्स बनाने के दौरान उसे स्कूटी चलाने के लिए दी गई, जबकि उसे वाहन चलाना नहीं आता था। अनियंत्रित होकर स्कूटी फ्लाईओवर के अंतिम छोर से नीचे गिर गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। अमन आठवीं कक्षा का छात्र था और परिवार में सबसे छोटा था। घटना के समय माता-पिता घर पर नहीं थे। पुलिस ने स्कूटी को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में रील्स बनाने की बात सामने आई है। अधूरा फ्लाईओवर होने के बावजूद युवकों का वहां पहुंचना भी जांच का विषय बना हुआ है।अधूरे निर्माण स्थल पर सुरक्षा के बावजूद लोगों की पहुंच ऐसे हादसों को न्योता दे रही है।

फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट, देवघर में वमीर्कंपोस्ट कार्यशाला का सफल आयोजन

देवघर : फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट, देवघर ने पर्यावरण संरक्षण और जैविक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए संस्थान परिसर में ह्लवमीर्कंपोस्ट का निर्माण एवं उसके विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगह्व विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों, कर्मियों एवं स्थानीय समुदाय को अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण तथा जैविक खेती के प्रति जागरूक करना था। मुख्य संसाधन व्यक्ति के रूप में डॉ. रंजन ओझा, निदेशक, कृषि विज्ञान केंद्र, सुजानी ने कार्यशाला को संबोधित किया। उन्होंने वमीर्कंपोस्ट निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया–कच्चे माल का चयन, केंचुओं की भूमिका, खाद बनाने की वैज्ञानिक विधि, आवश्यक सावधानियाँ तथा गुणवत्ता बनाए रखने के उपायों–के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. ओझा के साथ साथ देवघर जिला के डीएचओ यशराज, बाबा वैद्यनाथ मंदिर के मजिस्ट्रेट सह जिला सांख्यिकी अधिकारी कमलेश कुमार ने भी इस कार्यशाला में भाग लिया` डॉ ओझा एवं उनकी टीम ने लाइव डेमोन्स्ट्रेशन के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया। कार्यशाला में बताया गया कि वमीर्कंपोस्ट के नियमित उपयोग से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है, रासायनिक खादों पर निर्भरता कम होती है और पर्यावरण स्वच्छ एवं स्वस्थ रहता है। प्रतिभागियों ने इस तकनीक को घर पर भी आसानी से अपनाने की प्रेरणा ली। संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. नृपेंद्र सिंह लिंगवाल ने अपने संबोधन में कहा, ह्लइस प्रकार की कार्यशालाएँ न केवल लोगों को व्यावहारिक एवं रोजगारोन्मुख कौशल प्रदान करती हैं, बल्कि उन्हें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक भी बनाती हैं। वमीर्कंपोस्ट जैसी तकनीक आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है, जो सतत विकास और आत्मनिर्भरता दोनों को बढ़ावा देती है।ह्व मौके पर संस्थान के प्रशासनिक सह लेखा अधिकारी सुरोजित नामता, वरिष्ठ व्याख्याता अनुपम आलोक, व्याख्याता डॉ. श्वेता नृपेन्द्र लिंगवाल तथा सहायक व्याख्याता खिलेश पटेल भी उपस्थित रहे और उन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। संस्थान प्रशासन ने बताया कि भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण, कौशल विकास और छात्रों के सर्वांगीण विकास से संबंधित ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।

विश्व कविता दिवस का आयोजन

दुमका : संताल परगना महाविद्यालय, दुमका के बी.एड. संकाय में आज विश्व कविता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को एक भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के. पी. यादव , बी.एड. विभाग के प्राध्यापकगण, छात्र-छात्राएं तथा साहित्य प्रेमियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में साहित्य के प्रति रुचि जागृत करना, उनकी रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना तथा कविता के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करना था। ह्ल

राजकीय श्रावणी मेला की तैयारी में जुटा जिला प्रशासन

संवाददाता

बासुकीनाथ : विश्व प्रसिद्ध शिवनगर बाबा बासुकीनाथ धाम में शुक्रवार को बासुकिनाथ मंदिर स्थित सभागार में राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2026 की तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन आयुक्त संथाल परगना प्रमंडल संजय कुमार की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में मेला आयोजन को लेकर विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान आयुक्त श्री कुमार ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव के आयोजन में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहे। इसके लिए सभी संबंधित विभागों को अपनी-अपनी कार्ययोजना शीघ्र तैयार करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने मेला क्षेत्र के सभी एंट्री पॉइंट पर मेटल डिटेक्टर स्थापित करने तथा सुचारु आवागमन हेतु ट्रैफिक रूट प्लान तैयार करने पर विशेष बल दिया।

प्रमंडलीय आयुक्त श्री कुमार ने बासुकिनाथ मंदिर आने-जाने वाले मार्गों की स्थिति को सुधारने हेतु बासुकिनाथ-दुमका रोड को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। साथ ही शिवगंगा की साफ-सफाई को बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने को कहा गया। इस दौरान जानकारी दी गई कि शिवगंगा की सफाई हेतु निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रमंडलीय आयुक्त श्री कुमार ने पांच स्थलों को चिन्हित कर शौचालय निर्माण हेतु प्रस्ताव भेजने, पेयजल व्यवस्था के लिए डीप बोरिंग कराने तथा मेला क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि मेला के दौरान अक्सर बच्चे एवं परिजन बिछड़ जाते हैं, ऐसी स्थिति में मेला क्षेत्र में लगे स्क्रीन के माध्यम से उनकी सूचना का प्रसारण किया जाए, ताकि उन्हें शीघ्र उनके परिजनों से मिलाया जा सके।

प्रमंडलीय आयुक्त श्री कुमार ने पुलिस पदाधिकारियों के आवासन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही लाकर सिस्टम, पार्किंग स्थल तथा पूरे मेला क्षेत्र में साफ-सफाई की व्यापक व्यवस्था करने पर जोर दिया गया। नंदी चौक सहित प्रमुख स्थलों पर आकर्षक लाइटिंग व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु आवश्यकता अनुसार मंदिर गार्ड की प्रतिनियुक्ति आउटसोर्सिंग के माध्यम से करने का निदेश दिया। फायर स्टेशन हेतु प्रस्ताव विभाग को भेजने का निर्देश दिया गया। श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए मेला क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर लगाने, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा एंबुलेंस की तैनाती करने के निर्देश भी दिए गए।

भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से क्यू कॉम्प्लेक्स में वाटर स्प्रिंकलर लगाने का निर्देश दिया गया, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम एवं आरामदायक अनुभव मिल सके। इसके अतिरिक्त पूरे मेला क्षेत्र एवं मंदिर परिसर में स्वच्छता बनाए रखने तथा सॉलिड एवं लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट के कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

बैठक से पूर्व प्रमंडलीय आयुक्त श्री कुमार द्वारा ने रूट लाइन का निरीक्षण किया । इस दौरान उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने मेला के दौरान की जाने वाली व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, आयुक्त के सचिव,नगर पंचायत बासुकीनाथ के अध्यक्ष, पंडा समाज के प्रतिनिधि सहित विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

चक्रधरपुर में दूसरे सखी वन स्टॉप सेंटर का उद्घाटन

पीड़ित महिलाओं को मिलेगी सहायता

संवाददाता

चक्रधरपुर : जिले में महिलाओं की सुरक्षा और सहायता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आज चक्रधरपुर में दूसरे सखी वन स्टॉप सेंटर का उद्घाटन जिला उपायुक्त चंदन कुमार द्वारा किया गया। इससे पहले जिले में एक सखी वन स्टॉप सेंटर चाईबासा में संचालित था।

दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाली पीड़ित महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस नए केंद्र की स्थापना की गई है, ताकि उन्हें समय पर सहायता मिल सके। इस सेंटर के माध्यम से हिंसा या मानसिक उत्पीड़न से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे कानूनी सहायता, चिकित्सा सुविधा, मनोसामाजिक परामर्श, पुलिस सहायता, आकस्मिक मदद और पांच दिनों तक अस्थायी आश्रय जैसी सुविधाएं पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी।

सखी वन स्टॉप सेंटर, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य हिंसा से प्रभावित महिलाओं को त्वरित और समग्र सहायता प्रदान करना है। इस केंद्र के जरिए घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, यौन शोषण, एसिड अटैक, बाल विवाह, बलात्कार, मानव तस्करी, साइबर अपराध और अन्य प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिलाएं सहायता प्राप्त कर सकती हैं। महिलाएं 247 सहायता के लिए महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्डलाइन 1098 पर संपर्क कर सकती हैं।

उद्घाटन कार्यक्रम में पोड़ाहाट चक्रधरपुर के अनुमंडल पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी समेत सखी वन स्टॉप सेंटर के कर्मचारी और सेविकाएं उपस्थित रहीं।

बंदगांव में तीन दिवसीय मंडा मेला को लेकर बैठक

लक्ष्मी नारायण सिंहदेव बने अध्यक्ष और विवेक सिंह बने सचिव

संवाददाता

बंदगांव : बंदगांव बाजार परिसर में स्थित शिव मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय मंडा पूजा एवं मेला को लेकर ग्रामीणों की बैठक लक्ष्मी नारायण सिंहदेव की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में सर्व समिति से निर्णय लिया गया आगामी 30 अप्रैल से लेकर 02 मई तक मंडा मेल सह पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया है. 30 अप्रैल को धुआँसी(उल्टा लटका कर नीचे आग जलाना)कार्यक्रम ,1 मई में को रात्रि छऊ नृत्य ,02 मई को आग में चलना एवं झूलन सह मेला एवं दोपहर 2 बजे से आर्केस्ट्रा कार्यक्रम होगा .इन सभी कार्यक्रम को संपन्न करने के लिए मेला कमेटी का पुनर्गठन किया गया. जिसमें मेला के संरक्षक रमेश सिंह, अर्जुन सिंह, किशुन मछुआ को बनाया गया. वहीं

अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण सिंहदेव एवं विवेक सिंह विक्की को सचिव सर्वसम्मती से चुना गया.कोषाध्यक्ष के रूप में डॉ पीके विस्वास,उपसचिव राजेंद्र मछुआ को रखा गया .मेला संचालन में चंदन सिंह,सम्मी सिंह, राजकुमार, महादेव नायक,तुलसी बाकती को रखा गया. विवेक सिंह विक्की ने कहा कि बंदगांव का सुप्रसिद्ध मंडा मेला में हजारों की संख्या में ग्रामीण एवं भक्तगण पहुंचते हैं. इन सभी कार्यक्रम को समय पर वह विधिवत रूप से संपन्न करने के लिए कमेटी के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता सक्रिय रहेंगे. उन्होंने कहा मेला में कोई मारपीट या कोई घटना नहीं होनी चाहिए जिसके लिए सभी को तत्पर रहना है. मालूम रहे की बंदगांव का सुप्रसिद्ध मंडा मेला में झूला, खिलौना, मिठाई समेत अन्य दुकान के साथ-साथ हजारों की संख्या में ग्रामीण पहुंचते हैं. इस मौके पर कमेटी के सभी सदस्य व ग्रामीण उपस्थित थे.

सांसद विष्णु दयाल राम ने केंद्र सरकार से रखी मांग

पलामू-गढ़वा के सड़क विकास को मिलेगी रफ्तार

संवाददाता

मेदिनीनगर : नई दिल्ली स्थित परिवहन भवन में पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी. उमाशंकर से मुलाकात कर क्षेत्र के समग्र सड़क विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और उच्च गुणवत्ता वाले राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण को लेकर विस्तृत चर्चा की।

मुलाकात के दौरान सांसद ने पलामू और गढ़वा जिलों में चल रही एवं प्रस्तावित सड़क परियोजनाओं को शीघ्र पूरा कराने की मांग उठाई। साथ ही उन्होंने इन परियोजनाओं की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (ऊढफ) जल्द तैयार करने और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा प्राथमिकता सूची में शामिल करने का अनुरोध किया।

सांसद द्वारा जिन प्रमुख परियोजनाओं को

उठाया गया, उनमें राष्ट्रीय राजमार्ग-139 के सीलीदाग से पड़वा मोड़ तक 22 किलोमीटर सड़क का फोरलेन निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्ग-343 के गढ़वा फोरलेन बाईपास से रामानुजगंज तक 48 किलोमीटर सड़क का विस्तार और गढ़वा-मझिआंव मोड़ से श्रीनगर-पडुका ब्रिज तक 40 किलोमीटर फोरलेन सड़क निर्माण शामिल हैं।

इसके अलावा, जपला बाईपास, सोन नदी पर पुल निर्माण और राष्ट्रीय राजमार्ग-119 से जुड़ने वाली नई फोरलेन सड़क परियोजना को भी पीएम गति शक्ति योजना में शामिल किया गया है।

डालटनगंज में प्रस्तावित नॉर्दर्न बाईपास, कोयल नदी पर उच्चस्तरीय पुल और रेलवे लाइन पर रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण से शहर में लगने वाले जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। यह बाईपास डालटनगंज और गढ़वा के बीच यात्रा समय को भी काफी कम करेगा।सांसद ने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और आम जनता को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी।

दुमका के संत जेवियर्स कॉलेज को मिला यूजीसी से ऑटोनोमस दर्जा

समाचार (दुमका): संथाल परगना के उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में संत जेवियर्स कॉलेज, दुमका को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा स्वायत्त (ऑटोनोमस) महाविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया है। यह निर्णय 19 मार्च 2026 को आयोजित यूजीसी की बैठक में लिया गया, जिसे क्षेत्र में शैक्षणिक गुणवत्ता और नवाचार की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा है।

यूजीसी के संयुक्त सचिव डॉ. आर. मनोज कुमार द्वारा जारी पत्र के अनुसार, सिदो कान्हु मुर्मु विश्वविद्यालय, दुमका से संबद्ध यह महाविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2026-27 से 2030-31 तक पांच वर्षों के लिए स्वायत्त रहेगा। यह दर्जा यूजीसी (कॉलेजों को स्वायत्त दर्जा प्रदान करने एवं मानकों के अनुरक्षण) विनियम, 2023 के तहत प्रदान किया गया है। यूजीसी ने विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिया है कि 30 दिनों के भीतर आवश्यक अधिसूचना जारी कर महाविद्यालय को औपचारिक रूप से स्वायत्त घोषित किया जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि महाविद्यालय को यूजीसी के सभी शैक्षणिक, प्रशासनिक और गुणवत्ता संबंधी मानकों का सख्ती से पालन करना होगा। स्वायत्तता मिलने के बाद महाविद्यालय को अपने पाठ्यक्रम तैयार करने, संशोधित करने, उद्योगोन्मुख विषय शामिल करने, परीक्षा प्रणाली में सुधार लाने और मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने का अधिकार मिलेगा।

हमारा लक्ष्य 'शून्य बाल श्रम' सुनिश्चित करना हो : उपायुक्त

संवाददाता

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा व पुलिस अधीक्षक सौरभ की सयुंक्त अध्यक्षता में महिला कल्याण एवं बाल संरक्षण योजनाओं से जुड़ी जानकारी, जागरूकता और क्रियान्वयन को लेकर समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। साथ ही कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिले में संचालित कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हेतु बेहतर तरीके से जमीनी स्तर पर कार्य किया जा सके।

कार्यशाला में उपायुक्त श्री लकड़ा ने जोर दिया कि महिलाओं और बच्चों का संरक्षण केवल एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग का कर्तव्य है। साथ ही उन्होंने पुलिस और प्रशासनिक पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ₹बेहतर तालमेल से ही हम समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से पहुँचा सकते हैं।₹ उन्होंने विशेष रूप से प्रखंड, अंचल और थानों को एक टीम के रूप में कार्य करने का निर्देश दिया ताकि बेहतर व्यवस्था के साथ विधि व्यवस्था व सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। कार्यशाला के दौरान बाल विवाह, डायन कुप्रथा, घरेलू हिंसा, बाल श्रम और बाल तस्करी जैसे गंभीर मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने इन बुराइयों के निराकरण की दिशा में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की और स्पष्ट किया कि इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जागरूकता अभियानों के साथ-साथ कानूनी प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। साथ ही उपायुक्त ने समाज कल्याण विभाग की योजनाओं (जैसे- सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना आदि) का जिक्र करते हुए कहा कि सरकारी तंत्र की सफलता तभी है जब इसका लाभ

समाज के 'अंतिम व्यक्ति' तक पहुँचे। उन्होंने अधिकारियों को 'लास्ट माइल डिलीवरी' सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए उपायुक्त श्री लकड़ा ने स्पष्ट किया कि महिला एवं बाल विकास की योजनाएं केवल कागजों तक सीमित न रहकर धरातल पर उतरनी चाहिए। उन्होंने कहा, ₹हमारा लक्ष्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़ी महिला और बच्चे तक सरकारी सुविधाओं को पहुँचाना है।

कार्यशाला में पुलिस अधीक्षक श्री सौरभ ने विधिक मामलों पर चर्चा करते हुए कहा कि महिला सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। कार्यशाला में घरेलू हिंसा, पोक्सो एक्ट और अन्य सुरक्षा कानूनों की विस्तृत जानकारी दी गई। आगे उन्होंने कहा कि बाल विवाह से जुड़े मामलों में परिवार की काउंसलिंग के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रयास करें। साथ ही कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा और बाल अधिकारों के प्रति संवेदनशील होने पर जोर दिया। आगे उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन और समाज कल्याण विभाग के बीच बेहतर समन्वय से ही बाल विवाह, मानव तस्करी और घरेलू हिंसा जैसी कुरीतियों पर प्रभावी लगाम लगाई जा सकती है।

शक्ति सदन और वनस्टॉप सेंटर से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी गई

कार्यशाला में बताया गया कि 'शक्ति सदन' के माध्यम से तस्करी से बचाई गई और बेसहारा महिलाओं को 03 वर्ष तक निशुल्क आवास, भोजन, चिकित्सा और व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। इसके अलावा वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए 'सखी' केंद्र की उपयोगिता पर चर्चा की गई। यहाँ एक ही छत के नीचे पुलिस सहायता, कानूनी परामर्श, चिकित्सा और अस्थायी आश्रय उपलब्ध कराया जाता है। साथ ही कार्यशाला में बताया गया कि पीड़ित महिलाएं टोल-फ्री नंबर 181 के माध्यम से कभी भी सहायता प्राप्त कर सकती हैं।

पारिवारिक हित योजना की जानकारी और लाभ लेने के तरीकों से कराया गया अवगत

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित 'राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना' के अंतर्गत गरीबी रेखा के नीचे (इढछ) जीवन यापन करने वाले परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य उन परिवारों की मदद करना है।